mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-05 अंक-312 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
13 नवंबर 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

इकलौता बल्लेबाज,
@ पेज 7

यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंची

हिसार, एजेंसी। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा ने जमानत के लिए पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। ज्योति के एडवोकेट कुमार मुकेश का कहना है कि जल्द इस मामले में सुनवाई हो सकती है। इससे पहले, 23 अक्टूबर को हिसार सेशन कोर्ट ने ज्योति की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। साथ ही टिप्पणी की थी कि आरोपी की जमानत के बाद जांच में बाधा आ सकती है। हिसार पुलिस ने यूट्यूब चैनल ट्रैवल विद जो चलाने वाली 34 वर्षीय ज्योति ??को 16 मई को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (BNS) के कानून के तहत गिरफ्तार किया था। ज्योति? फिलहाल हिसार की सेंट्रल जेल में बंद है।

बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर बोले- हिंदू एकजुट नहीं हुए तो 80 हजार लोग मरेंगे

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा में बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की 'सनातन एकता पदयात्रा' आज (12 नवंबर) पांचवां दिन है। यात्रा पलवल के तुमसरा गांव से शुरू हो चुकी है। धीरेंद्र शास्त्री ने आज नीले रंग की पोशाक पहनी हुई है।

दिल्ली में ब्लास्ट के बाद सुरक्षा के लिहाज से हरियाणा पुलिस की 5 कंपनियां पदयात्रा के साथ चल रही हैं। इस दौरान कुछ युवक ट्रक और पेड़ों पर चढ़ गए। उन्होंने पदयात्रा पर फूल बरसाए। रास्ते में धीरेंद्र शास्त्री ने जमीन पर बैठकर ढोल भी बजाया। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि अगर हिंदू एकजुट होंगे तो धमाके नहीं होंगे। इन घटनाओं में हमेशा एक ही कौम के लोगों का नाम क्यों आता है। अभी 8 लोग मरे हैं, लेकिन अगर हिंदू एकजुट नहीं हुए तो 80 हजार लोग मरेंगे। हिंदू एकता में जितनी देरी होगी, हिंदुओं की संख्या उतनी ही कम होती जाएगी। अगर इस देश के 100 करोड़ हिंदू एकजुट हो जाएं तो दंगा करने वालों को घर से बाहर नहीं निकलने देंगे।

अब यात्रा दोपहर के भोजन के लिए बंचारी गांव पहुंच गई है। यात्रा का रात्रि विश्राम होडल अनाज मंडी में होगा। पूरे दिन यात्रा 16 किलोमीटर का सफर तय करेगी।

दिल्ली ब्लास्ट: 200 बमों से 26/11 जैसे हमले की साजिश थी,टारगेट पर थे 3 शहर

पीएम मोदी भूटान से लौटते ही घायलों को देखने अस्पताल पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी ने दिल्ली लाल किला धमाके में घायल लोगों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। मोदी बुधवार दोपहर 2 बजे के करीब भूटान दौरे से लौटे थे। प्रधानमंत्री एयरपोर्ट से सीधे LNJP अस्पताल गए। धमाके को लेकर अब नए खुलासे हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकियों की 200 बम (IEDs) से 26/11 जैसे हमले की साजिश थी।

दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद को निशाना बनाया जाना था। दिल्ली के लाल किला, इंडिया गेट, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब और गौरी शंकर मंदिर जैसे प्रमुख स्थलों को चुना था। इनके अलावा, देशभर के रेलवे स्टेशनों और बड़े मॉल्स भी टारगेट पर थे।

सूत्रों के मुताबिक, यह साजिश जनवरी से ही चल रही थी। आतंकी मॉड्यूल का संबंध पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद संगठन से बताया जा रहा है। आतंकी पिछले कई महीनों से 200 बम (IEDs) बनाने की तैयारी कर रहे थे।

जांच एजेंसियों का कहना है कि आतंकियों का मकसद धार्मिक स्थलों पर हमला कर देश में सांप्रदायिक तनाव फैलाना था। इसके लिए उन्होंने कश्मीर के पुलवामा, शोपियां और अनंतनाग के कुछ डॉक्टरों को चुना, ताकि वे बिना रोकटोक कहीं भी जा सकें।

दिल्ली धमाका-37 दिन पहले शादी में बना आतंकियों का ग्रूप, पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में थे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में लाल किला के पास 10 नवंबर को हुए धमाके के पीछे जैश-ए-मोहम्मद का नया वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल (आतंकियों का ग्रुप) उजागर हुआ है। इस मॉड्यूल में डॉक्टर, प्रोफेसर और महिला सदस्य शामिल थे, जो पाकिस्तानी हैंडलर्स के सीधे संपर्क में थे। जांच में पता चला है कि यह नेटवर्क मेडिकल प्रोफेशन और शैक्षणिक संस्थानों की आड़ में काम कर रहा था, और हरियाणा के फरीदाबाद, जम्मू-कश्मीर के पुलवामा और यूपी के सहारनपुर सहित कई इलाकों से जुड़ा था। इसकी शुरुआत धमाके से 37 दिन पहले 4 अक्टूबर को सहारनपुर में एक शादी से हुई थी। इसके बाद ग्रुप ने फौजियों को धमकाने वाले पोस्टर, हथियार, विस्फोटक और फंडिंग के नेटवर्क तैयार करना शुरू किया। सुरक्षा एजेंसियों को कश्मीर में 19 अक्टूबर को जैश के पोस्टर दिखने से मॉड्यूल के एक्टिव होने का सुराग मिला। जांच में सामने आया कि नेटवर्क की सबसे अहम महिला सदस्य डॉ. शाहीन सईद थी। वह जैश सरगना मसूद अजहर की बहन सादिया अजहर से जुड़ी थी।

4 अक्टूबर को एक्टिव हुआ था मॉड्यूल : जांच में पता चला कि यह मॉड्यूल 4 अक्टूबर को एक्टिव हुआ था, जब सहारनपुर में डॉ. आदिल की शादी डॉ. रुकैया से हुई थी। शादी में कुछ 'खास मेहमान' शामिल थे, जिनकी पहचान एजेंसियां कर रही हैं। शादी के अगले दिन इस मॉड्यूल ने काम शुरू किया। इसका मकसद फौजियों को धमकाने वाले पोस्टर लगाना, हथियारों की सप्लाई और पैसों का इंतजाम करना था।

महानगरी एक्सप्रेस में बम की अफवाह के बाद महाराष्ट्र के सभी रेलवे स्टेशनों पर हाई अलर्ट

मुंबई, एजेंसी। वाराणसी से मुंबई आ रही महानगरी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22178) में बुधवार को सुबह जैसे ही भुसावल स्टेशन पर पहुंची, ट्रेन में बम की अफवाह से खलबली मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे डिब्बे की तलाशी ली गई, लेकिन कहीं संदिग्ध वस्तु न मिलने से सुरक्षा एजेंसियों और मध्य रेलवे ने राहत की सांस ली। इसके बाद ट्रेन को आगे रवाना कर दिया गया। इस घटना के बाद महाराष्ट्र के सभी स्टेशनों पर हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। इस घटना की छानबीन कर रहे अधिकारी ने बताया कि महानगरी एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे के शौचालय में पाकिस्तान जिंदाबाद और आईएसआई और ट्रेन में बम होने का संदेश हाथ से लिखा गया था। भुसावल स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचने से पहले एक यात्री ने यह संदेश देखा। उसने तुरंत गार्ड को सूचित किया। सुरक्षा विभाग को सूचित करने के बाद रेलवे सुरक्षा बल, रेलवे पुलिस और डॉग स्क्वायड तुरंत भुसावल स्टेशन पहुंचे। सुबह 8.30 बजे भुसावल स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचते ही पूरी ट्रेन, कोच, सामान के डिब्बे और यात्रियों के बैग की जांच की गई।

क्या दिल्ली की तरह बंगाल को भी दहलाने की साजिश? बीरभूम से 20 हजार जिलेटिन छड़ें बरामद

कोलकाता,एजेंसी। राजधानी दिल्ली में कार विस्फोट की घटना को लेकर नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इसी बीच पश्चिम बंगाल पुलिस ने बीरभूम जिले से 20 हजार जिलेटिन छड़ें बरामद की हैं। इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक मिलने के बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या इन दोनों घटनाओं में कोई कनेक्शन है और क्या आतंकी दिल्ली की तरह ही बंगाल को भी दहलाने की साजिश रच रहे थे?

झारखंड के पाकुड़ से बंगाल में दाखिल हुई थी जिलेटिन लदी गाड़ी :पुलिस ने बताया कि 50 बैग में भरकर 20 हजार जिलेटिन छड़ों को एक पिक अप वैन से जब्त किया गया। यह वैन पड़ोसी राज्य झारखंड के पाकुड़ से बंगाल जा रही थी। मंगलवार की रात बीरभूम में सुल्तानपुर नलहाटी रोड पर पुलिस ने जांच के दौरान इस पिकअप वैन को पकड़ा। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

म.प्र. के 11 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे,राजस्थान में कोल्ड वेव का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में ठंड का असर दिखने लगा है। मध्य प्रदेश बर्फीली हवाओं से नवंबर में ही ठिठुर गया है। मंगलवार रात 11 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। वहीं, अगले 4 दिन तक कोल्ड वेव का अलर्ट है।

राजस्थान में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मंगलवार रात कई शहरों में रात का टेम्प्रेचर 10 डिग्री से नीचे आ गया। मौसम विभाग ने सीकर में चार दिन और टोंक में एक दिन कोल्ड वेव चलने का यलो अलर्ट भी जारी किया है।

इधर, दिल्ली की हवा बेहद खराब हो गई है। बुधवार सुबह औसत AQI 413 दर्ज हुआ, जो 'गंभीर' श्रेणी में है। वजीरपुर में सबसे ज्यादा 459 रहा। आनंद विहार, चांदनी चौक, बवाना,

रोहिणी और आईटीओ समेत ज्यादातर इलाकों में भी हवा खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली-एनसीआर में GRAP-3 लागू कर दिया।

इसके बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कक्षा-5 तक के छात्रों की ऑनलाइन (हाईब्रीड) तरीके से पढ़ाई और दिल्ली में निर्माण कार्यों पर रोक लगाने के आदेश जारी कर दिए। इसके अलावा बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल चार-पहिया वाहनों को बैन कर दिया गया है।

गुजरात में भरूच की केमिकल कंपनी में बॉयलर फटा, 3 की मौत, 24 घायल

धमाके से आसपास की कंपनियों को भी पहुंचा नुकसान

भरूच, एजेंसी। गुजरात में भरूच जिले के इंडस्ट्रियल एरिया जीआईडीसी में मंगलवार देर रात एक कंपनी में विस्फोट से तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 24 कर्मचारी घायल हो गए। घायलों को भरूच के अलग-अलग अस्पतालों में एडमिट करवाया गया है। इनमें 4-5 कर्मचारियों की हालत गंभीर है। बायलर फटने से लगी आग सायखा गांव के पास जीआईडीसी की विशाल फार्मा नाम की कंपनी में रात करीब ढाई बजे बॉयलर फट गया, जिससे प्लांट में आग लग गई। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास की 4 कंपनियों को भी नुकसान पहुंचा। हादसे में तीन कर्मचारियों की मौके पर ही मौत

हो गई थी। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 6 टीमें मौके पर पहुंचीं । घटनास्थल पर बचाव और राहत कार्य अभी भी जारी है और मलबे को हटाने के साथ-साथ मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका को देखते हुए तलाशी अभियान भी जारी है।

बगैर अनुमति के चल रही है कंपनी- सरपंच सायखा गांव के सरपंच जयवीर सिंह ने हादसे को लेकर प्रशासन और कंपनी के मालिकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

अस्पताल से डिस्चार्ज हुए धर्मेंद्र,परिवार ने बयान जारी कर लोगों से की अपील

मुंबई, एजेंसी। कई दिनों के इलाज के बाद दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को आखिरकार ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। बुधवार सुबह उन्हें एंबुलेंस के जरिए घर लाया गया, इस दौरान बेटे बॉबी देओल और परिवार के अन्य सदस्य पूरे समय उनके साथ मौजूद रहे। परिवार ने फैसला किया है कि अब धर्मेंद्र का इलाज घर पर ही जारी रहेगा। उनका इलाज कर रहे डॉक्टर ने मीडिया को बताया कि अभिनेता को 12 नवंबर की सुबह करीब साढ़े 7 बजे अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। धर्मेंद्र के अस्पताल से डिस्चार्ज होने की खबर जैसे ही सामने आई, उनके चाहने वालों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई।

देशभर में उनके फैंस ने राहत की सांस ली है। पंजाब के साहनेवाल से ताल्लुक रखने वाले धर्मेंद्र के लिए फगवाड़ा सहित कई जगहों पर मंदिरों और गुरुद्वारों में उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थनाएं की जा रही थीं। अब जब अभिनेता घर लौट आए हैं, तो उनके प्रशंसकों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई है।

परिवार का बयान

धर्मेंद्र के परिवार ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, धर्मेंद्र को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और उनका आगे का इलाज घर पर जारी रहेगा। हम मीडिया और आम जनता से निवेदन करते हैं कि वे किसी भी तरह की अटकलें या अफवाहें न फैलाएं। कृपया धर्मेंद्र जी और हमारे परिवार की निजता का सम्मान करें। हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए सभी के प्रेम, प्रार्थनाओं और शुभकामनाओं के प्रति आभारी हैं। धर्मेंद्र आप सभी से बहुत प्यार करते हैं, कृपया उनका सम्मान करें।

चुनाव आयोग से सुप्रीम जवाब तलब

तमिलनाडु, बंगाल-पुद्दुचेरी ने एसआईआर को दी चुनौती; 26 नवंबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती वाली छह याचिकाओं पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। तमिलनाडु में एसआईआर को सत्तारूढ़ डीएमके पार्टी, सीपीआई (एम) और कांग्रेस पार्टी ने शीर्ष अदालत में चुनौती दी है जबकि पश्चिम बंगाल में इस प्रक्रिया पर कांग्रेस पार्टी की

राज्य इकाई ने चुनौती दी है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सभी याचिकाओं पर चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया।

लेकिन साथ ही पीठ ने याचिकाकर्ताओं से यह भी पूछा कि वे इस प्रक्रिया को लेकर इतने आशंकित क्यों हैं। पीठ ने हाईकोर्ट को इन राज्यों और बिहार की मतदाता सूचियों के संबंध में दायर याचिकाओं को स्थगित रखने का भी निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अब 26 नवंबर को सुनवाई करेगा। न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं से यह भी कहा कि यदि पीठ संतुष्ट होती है तो वह इस प्रक्रिया को रद्द कर देगी।

एआई में प्रतिभा की कमी, हम सैनिकों को बनाएंगे विशेषज्ञ

सैन्य बलों के भविष्य पर बोले सेना प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली डिफेंस डायलॉग में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज भारतीय सेना की भविष्य की दिशा, तकनीकी बदलावों और मानव-केंद्रित दृष्टिकोण पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में तकनीक और भूगोल का मेल यानी टेक्नोलॉजी और जमीन दोनों का संतुलन बेहद जरूरी है।

जमीन ही जीत की रहेगी असली मुद्रा : जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारत की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए जमीन ही विजय की मुद्रा बनी रहेगी। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, जब ट्रंप और पुतिन की मुलाकात अलास्का में हुई थी, तब भी चर्चा जमीन पर ही हुई थी। तकनीक हमें जमीन पर ही लाभ देनी चाहिए, चाहे वह विनाश हो, कब्जा हो या बेदखली। उन्होंने आगे कहा, हम जिस स्थिति की कल्पना कर रहे हैं, उसमें स्मार्ट बूट्स ऑन ग्राउंड और बॉट्स दोनों साथ होंगे। यानी सैनिक और मशीनें मिलकर काम करेंगी, माइंड इन द क्लाउड, आइज इन द स्काई। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि युद्ध के दौरान कभी-कभी

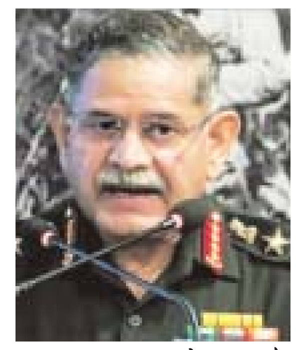

तकनीक विफल भी हो सकती है, इसलिए सैनिकों को बिना तकनीक के भी लड़ने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने इसे क्लाउड-सेंट्रिक और नेटवर्क-सेंट्रिक वॉरफेयर का मिश्रण बताया।

इंडस्ट्री 5.0- इंसान को केंद्र में रखती तकनीक

सेना प्रमुख ने आगे कहा कि अब दुनिया इंडस्ट्री 4.0 से आगे बढ़कर इंडस्ट्री 5.0 की ओर जा रही है। उन्होंने समझाया, इंडस्ट्री 4.0 में एआई, क्वांटम टेक्नोलॉजी जैसी चीजों पर बात होती थी। लेकिन 5.0 ने यह महसूस किया कि तकनीक को इंसान की जगह नहीं लेनी चाहिए, बल्कि उसकी मदद करनी चाहिए। यही भारतीय सेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि हम मानव-केंद्रित तकनीकी अपनाने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- हम एक देश हैं:

हिंदी बोलने को मजबूर करना, लुंगी का मजाक उड़ाना बर्दाश्त नहीं

केरल के छात्रों से मारपीट मामला

नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली में केरल के दो छात्रों से मारपीट की घटना पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा, हम एक देश हैं। हिंदी बोलने को मजबूर करना , लुंगी का मजाक उड़ाना बर्दाश्त नहीं है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने हाल ही में दिल्ली में एक व्यक्ति के साथ हुई उस घटना का जिक्र किया, जिसमें छात्रों को हिंदी बोलने के लिए मजबूर किया गया। पारंपरिक पोशाक लुंगी पहनने पर उनका मजाक उड़ाया गया। यह घटना लाल किले के पास हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार को ऐसे सांस्कृतिक और नस्लीय भेदभाव के मामलों को लेकर गंभीर होना चाहिए। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा, देश में सांस्कृतिक और नस्लीय भेदभाव से लोगों को निशाना बनाना दुखद है।

पीड़ित छात्र दिल्ली यूनिवर्सिटी के : दोनों छात्र दिल्ली यूनिवर्सिटी के जाकिर हुसैन कॉलेज के प्रथम वर्ष के छात्र हैं। उन्हें पुलिस और स्थानीय लोगों ने पीटा। कोर्ट 2015 में दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। यह याचिका अरुणाचल प्रदेश के छात्र नीडो तानिया की दिल्ली में मौत के बाद दायर की गई थी। कोर्ट ने तब केंद्र को एक कमेटी बनाने का निर्देश दिया था। कमेटी को नस्लीय भेदभाव, अत्याचार और हिंसा पर सख्त कार्रवाई करने के अधिकार दिए गए थे। साथ ही, इस तरह मामलों को रोकने के उपाय सुझाने को कहा गया था।

सांस्कृतिक भिन्नता के आधार पर निशाना न बनाएं : मंगलवार को सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने कहा, निगरानी कमेटी बन चुकी है। अब याचिका में कुछ नहीं बचा। याचिकाकर्ता के वकील गैचांगपाउ गांगमेई ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा, पूर्वोत्तर के लोगों के साथ भेदभाव और बहिष्कार की घटनाएं अब भी हो रही हैं। बेंच ने कहा, 'हमने अखबार में पढ़ा कि दिल्ली में एक केरल निवासी को लुंगी पहनने पर मजाक का सामना करना पड़ा। यह अस्वीकार्य है। हम मिल-जुलकर रहते हैं। सांस्कृतिक भिन्नता के आधार पर निशाना किसी को निशाना नहीं बनाना चाहिए।

केंद्र को दिया था रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश : कोर्ट ने इस याचिका में पहले भी कई आदेश पारित किए हैं। 1 मई 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि 2016 में गठित मॉनिटरिंग कमेटी के कार्यों पर एक अपडेटेड स्थिति रिपोर्ट दाखिल की जाए। यह कमेटी इसलिए बनाई गई थी, ताकि नस्लीय भेदभाव और अपमान की शिकायतों की निगरानी की जा सके।

पापा मैं शॉप से निकल गया हूं, बस जल्दी ही घर पहुंच रहा हूं, अमर ने पिता से कहे थे ये आखिरी शब्द

नई दिल्ली, एजेंसी। पापा मैं शॉप से निकल गया हूं, बस जल्दी ही घर पहुंच रहा हूं...। अपने पिता को हादसे से आधे घंटे पहले कॉल कर अमर कटारिया ने दुकान से निकलने की खबर दी थी। परिजन अमर का इंतजार कर रहे थे। अमर जब घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने उनको कॉल किया, लेकिन उनका नंबर नहीं लगा। बाद में रात आठ बजे बेटे की मौत की मनहूस खबर परिवार को मिली। सोमवार को लाल किले के पास हुए धमाके में दवा कारोबारी अमर कटारिया (34) की मौत हो गई। इकलौते बेटे की अंतिम बार सुनी हुई आवाज अब भी पिता के कानों में गूंज रही है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस ने हादसे के बाद सोमवार देर रात को उनके शव का पोस्टमार्टम करवा दिया और तड़के शव परिजनों के हवाले किया। परिवार ने सुबह ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। अमर का तीन साल के मासूम को नहीं पता है कि उसके पापा अब नहीं रहे वह घर में पापा को खोज रहा है।

किडनी खराब होने के बाद भाई का इलाज करवा रहा था नौमान: धमाके में झिंझाना, शामली के रहने वाले नौमान अंसारी (23) की मौत हो गई जबकि इसके ताऊ का बेटा अमन अंसारी (22) बुरी तरह जख्मी हो गया। अमन का एलएनजेपी अस्पताल में इलाज जारी है। नौमान कॉसमैटिक की दुकान के लिए चचेरे भाई के साथ दिल्ली सामान लेने आया था और ब्लास्ट का शिकार हो गया। नौमान की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दरअसल नौमान ही घर में अकेला कमाने वाला था। सोमवार सुबह वह अपने गांव से टैक्सी लेकर दिल्ली के सदर बाजार और किनारी बाजार सामान खरीदने आए थे। इस बीच धमाके का शिकार हो गया। नौमान के चाचा ने बताया कि इनका परिवार कस्बा झिंझाना, शामली, यूपी में रहता है। नौमान के परिवार में पिता इमरान अंसारी के अलावा मां अफसाना, बड़ा भाई फरमान (24) और चार बहनें हैं। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है जबकि छोटी बहनें सना (13), रानी (16) और हुमैरा (7) पढ़ाई कर रही हैं।

पिता के बीमार होने पर कैब चलाकर परिवार का खर्चा उठा रहे थे पंकज सैनी: धमाके में कैब चालक पंकज सैनी (22) की भी मौत हो गई। पिता राम बालक सैनी (55) को अस्थमा के अलावा हार्ट की प्रॉब्लम है। शादीशुदा बड़ा भाई परिवार से अलग रहता है। पंकज कैब चलाकर परिवार का खर्चा और भाई-बहनों को पढ़ा रहा था। उनके नहीं रहने पर परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन निकेश ने बताया कि मूलरूप से समस्तीपुर बिहार का रहने वाला पंकज अपने परिवार के साथ उपकार विहार, सवदा, घेवरा, कंझावला में रहता था। पिता के बीमार होने पर पंकज ने 12वीं के बाद पढ़ाई छोड़कर कैब चलाना शुरू कर दिया था। सोमवार शाम को अपने पड़ोसी से दीपक गुप्ता नामक सवारी को लेकर वह पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचा था। इस बीच उसे लाल किले के पास दूसरी सवारी मिली। सवारी को बिठाने से पहले ही वह हादसे का शिकार हो गया। धमाके से उसकी वैगनआर कार के परखच्चे उड़ गए।

हादसे में हो गई दो दोस्तों की मौत साथ खाना खाने का बना था प्लान: धमाके में कार के ठीक पीछे चल रही बाइक पर सवार दो दोस्त अशोक कुमार और लोकेश अग्रवाल की भी जान चली गई। लोकेश सोमवार को अपनी समधन को गंगाराम अस्पताल में देखने पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने अपने दोस्त अशोक को कॉल किया और साथ खाना खाने की बात कही।

अशोक बाइक से पहुंचे तो दोनों खाने के लिए निकल पड़े और धमाके का शिकार हो गए। पुलिस ने अशोक की बाइक के नंबर के आधार पर उसके परिजनों को खबर दी तो घर में मातम छा गया। एक परिजन ने बताया कि मूलरूप से गांव मंगरौला, हसनपुर, अमरोहा, यूपी का रहने वाले अशोक कुमार परिवार के साथ दिल्ली के जगतपुर, वजीराबाद में रहते थे। इनके परिवार में पत्नी सोनम के अलावा एक बेटा आरव और दो छोटी बेटी काव्या और आरोही है। अशोक कलस्टर बस में कंडक्टर की नौकरी करते थे जबकि लोकेश अग्रवाल हसनपुर, यूपी में रहते हैं। इनके परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी है। इनका एक बेटा देहरादून में वैज्ञानिक है जबकि लोकेश हसनपुर में खाद की दुकान चलाते हैं।

दिल्ली में ईवी मालिकों के लिए खुशखबरी, जल्द जारी होगी 42 करोड़ रुपये की सब्सिडी, जानें डिटेल्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मालिकों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है। सरकार दिसंबर से करीब 26,800 ईवी मालिकों को बकाया सब्सिडी का भुगतान शुरू करेगी। कई महीनों से अटकी पड़ी यह राशि अब धीरे-धीरे जारी की जाएगी।

42 करोड़ रुपये की सब्सिडी मिलेगी ईवी मालिकों को: मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली परिवहन विभाग ने लगभग 42.5 करोड़ रुपये की सब्सिडी रोकी हुई थी, जो अब जारी की जाएगी। भले ही इस साल की शुरुआत में दिल्ली की ईवी पॉलिसी को बढ़ाया गया था, लेकिन लाभार्थियों को उनकी सब्सिडी अब तक नहीं मिली थी। रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, सभी जरूरी

औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं, और फाइल जल्द ही सरकार के पास अंतिम मंजूरी के लिए भेजी जाएगी। मंजूरी मिलते ही भुगतान किस्तों में शुरू कर दिया जाएगा। प्रक्रिया होगी डिजिटल- अब नहीं होंगे मैन्युअल झंझट दिल्ली सरकार अब पूरी सब्सिडी प्रक्रिया को डिजिटल करने की योजना पर काम कर रही है। इसके लिए इसे राष्ट्रीय वाहन पोर्टल (Vahan Portal) से जोड़ा जाएगा ताकि भविष्य में किसी भी देरी या मैन्युअल गलती से बचा जा सके। इसके अलावा, एक तकनीकी समिति भी बनाई गई है जो नई ईवी पॉलिसी के तहत सब्सिडी पाने वाले वाहनों की पात्रता तय करेगी। यह समिति वाहनों के बिल्ड क्वालिटी, परफॉर्मेंस, बैटरी क्षमता, रेंज और ऊर्जा दक्षता जैसे मानकों की जांच करेगी।

दिल्ली में आतंकी बम धमाके के बाद सोशल मीडिया पर फैला अफवाहों का जाल, फेक न्यूज ने बढ़ाई दहशत

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किला ब्लास्ट ने जहां राजधानी को झकझोर कर रख दिया है वहीं सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों ने लोगों की चिंता को और गहरा कर दिया है। मंगलवार को इंटरनेट पर 'सीरियल ब्लास्ट्स', '37 गाड़ियां जलीं' जैसी झूठी खबरें वायरल होने लगीं। इससे शहरभर में दहशत फैल गई। सोशल मीडिया की यही ताकत उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बनकर सामने आई। कई यूजर्स ने पुराने वीडियो और तस्वीरें शेयर कर दीं। यहां तक कि मुंबई ब्लास्ट का एक पुराना वीडियो भी 'दिल्ली का ताजा धमाका' बताकर शेयर किया गया। इसे 1.2 लाख से ज्यादा व्यूज मिल गए। बाद में 'एक्स' प्लेटफॉर्म ने उसे डिलीट कर दिया। इसी बीच, घटना स्थल के पास की दुकानों में काम करने वाले लोगों ने बताया कि धमाका वाकई जोरदार था। एक दुकानदार ने कहा कि आवाज इतनी तेज थी कि कुछ पल को लगा जैसे मौत सामने आ गई। उनका बयान सही था, लेकिन सोशल मीडिया पर चली फेक क्लिप्स ने हालात को और बिगाड़ दिया। सोशल मीडिया पर 'हौसला बनाए रखो, दिल्ली' ट्रेंड दिल्ली पुलिस की साइबर सेल को मंगलवार दोपहर तक कई शिकायतें मिलीं, जिनमें झूठी खबरें और भ्रामक पोस्ट शामिल थीं। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे केवल अधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। हजारों लोगों ने सोशल मीडिया पर सस्टेस्ट्रोंगदिल्ली और सप्रेफॉरदिल्ली जैसे हैशटैग के साथ एक-दूसरे के लिए दुआएं मांगीं। मंगलवार का दिन याद दिला गया कि संकट के वक्त सूचना जितनी तेज फैलती है, जिम्मेदारी उससे भी तेज होनी चाहिए। इंस्टाग्राम और एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लोगों ने पुलिस, रेस्क्यू टीमों और नागरिकों के साहस की सराहना की।

पुरानी दिल्ली के बाजारों ने ओढ़ी खामोशी की चादर, डर पैदा कर रही है धमाके की दास्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। बम धमाके की दहशत के निशान अभी भी फुटपाथ और दीवारों पर छपे हुए हैं। वहीं, इतना सब कुछ होने के बावजूद राजधानी के प्रमुख बाजारों में सुरक्षा भगवान भरोसे दिखी। कहीं सुरक्षाकर्मी गश्त करते नजर आए तो कई जगह मचान पर पुलिसकर्मी नहीं दिखा।

चांदनी चौक और जामा मस्जिद से सटी सड़कों को पूरी तरह बंद कर दिया गया। यहां भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर एक पर एनएसजी की टीम मुस्तैद दिखी। वहीं, जनपथ और जामा मस्जिद मार्केट में गश्त करते पुलिसकर्मी दिखे लेकिन कई मेटल डिटेक्टर गेट की खराबी ने सुरक्षा में चूक को उजागर किया।

इसके अलावा पहाड़गंज और करोल बाग के बाजारों में सुरक्षा की चूक दिखी। यहां बिना जांच के बाजार में लोग आसानी प्रवेश करते नजर आए। वहीं, चांदनी चौक का मशहूर बाजार आधा बंद और आधा खुला रहा। सभी बाजारों में व्यापार मंदा रहा और खरीदारों की भीड़ न के बराबर दिखी।

बांग्लादेश में हिंसा, उपद्रवियों ने वाहन फूंके, ढाका और आसपास के जिलों में बीजीबी की 14 प्लाटून तैनात

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अवामी लीग के बंद की घोषणा के बीच राजधानी ढाका समेत आसपास के कई जिलों में हिंसा फैल गई है। अनेक वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। अंतरिम सरकार ने उपद्रवियों से निपटने के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की 14 प्लाटून तैनात की है। राजधानी को छावनी में बदला जा रहा है।

ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, बीजीबी प्रवक्ता शरीफुल इस्लाम ने कहा कि ढाका में 12 और आसपास के जिलों में दो प्लाटून तैनात की गई हैं। अंतरिम सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि ढाका और आसपास के जिलों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बीजीबी की 14 प्लाटून तैनात की गई हैं। बीजीबी मुख्यालय के जनसंपर्क अधिकारी

शरीफुल इस्लाम ने बुधवार सुबह बताया कि 12 प्लाटून ढाका में तैनात की गई हैं, जबकि शेष दो प्लाटून राजधानी के आसपास के जिलों में तैनात की गई हैं। अर्धसैनिक बल को होटल इंटर कॉन्टिनेंटल, धानमंडी-32, हवाई अड्डा, अब्दुल्लापुर, काकरैल, शिशु अकादमी, उच्च न्यायालय क्षेत्र और अबरार फहद एवेन्यू सहित प्रमुख स्थानों पर तैनात किया गया है।

सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, ढाका, गाजीपुर और अन्य जिलों में उपद्रवियों ने जनता में दहशत फैलाने के लिए बसों में आग लगा दी। अवामी लीग ने मानवता के विरुद्ध अपराधों से जुड़े एक मामले में शेख हसीना और अन्य के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के 13 नवंबर को

ढाई महीने पहले बनकर तैयार हुआ करोड़ों की लागत वाला चीन का पुल भरभराकर गिरा

बीजिंग, एजेंसी। बनते ही पुल गिरना लगभग हर एक देश की समस्या बन गई है। चीन में ढाई महिने पहले करोड़ों की लागत से बने एक पुल का उद्घाटन हुआ और अब वो भरभराकर गिर गया। ये पुल चीन के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत सिचुआन में तैयार किया गया था। गनीमत ये रही कि इस हादसे में कोई घायल या मृत नहीं हुआ, लेकिन इस घटना ने चीन की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह पुल चीन की इंजीनियरिंग और तकनीकी क्षमता का प्रतीक बताया जा रहा था, लेकिन ये जिस तरह तबाह हुआ है, उसका गिरना सरकार के लिए बड़ी शर्मिंदगी का कारण बन गया है। यहां पर एक भारी-भरकम पुल ताश के पत्ते की तरह भरभराकर

गिरता हुआ दिख रहा है। ये पुल करोडों की लागत से बना और इसका उद्घाटन हाल ही में बड़े धूमधाम से किया गया था। ये तिब्बत को चीन के मध्य हिस्से से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर बना पुल था, जिसका एक हिस्सा भरभराकर ढह गया। अधिकारियों ने एक दिन पहले पुल को यातायात के लिए बंद कर दिया था क्योंकि आसपास की ढलानों और सड़कों में दरारें और जमीन की हलचल के संकेत मिले थे। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक प्रारंभिक आंकलन से पता चलता है कि पुल का टूटना भूवैज्ञानिक अस्थिरता और पुल के आसपास की खड़ी पहाड़ी ढलानों पर कई भूस्खलन के कारण हुआ। होंगची पुल का निर्माण सिचुआन रोड एंड ब्रिज ग्रुप द्वारा किया गया था और इसे इस साल की शुरुआत में पूरा किया गया था। इसे सिचुआन प्रांत को तिब्बत से जोड़ने वाले चीन के बुनियादी ढांचे नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता था। पुल का उद्घाटन इसी साल 28 सितंबर को हुआ था और ये 758 मीटर लंबा था, जिसका एक हिस्सा ढह गया है।

ताश के पत्ते की तरह ढेर हुआ पुल: दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत से आए नाटकीय वीडियो सामने आया है जिसमें हाल ही में खोला गया होंगची पुल टूटते हुए दिखाया गया है। पुल का एक बड़ा हिस्सा नदी में गिर गया।

तुर्की का मिलिट्री विमान हुआ दुर्घटनाग्रस्त 20 जवानों के मरने की आशंका

अंकारा, एजेंसी। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा की कि यह सी-130 विमान अजरबैजान से उड़ान भरकर तुर्की लौट रहा था, जब यह हादसे का शिकार हो गया। राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया और मृतकों के प्रति संवेदना जाहिर की, जिससे संकेत मिलता है कि कई लोगों की जान जा चुकी हो सकती है। मंत्रालय के अनुसार, विमान में 20 सैन्यकर्मी सवार थे, जिनमें चालक दल के सदस्य भी शामिल थे।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि अजरबैजान और जॉर्जिया के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से खोज व बचाव अभियान शुरू कर दिया है। जॉर्जिया के गृह मंत्रालय ने कहा कि दुर्घटना सिग्नाघी नगरपालिका क्षेत्र में घटी, जो अजरबैजान सीमा के करीब स्थित है। विभाग ने मामले की जांच भी आरंभ कर दी है। एर्दोगन ने कहा कि वे इस हादसे से बहुत दुखी हैं और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति व्यक्त करते हैं। बता दें कि सी-130 हरक्यूलिस विमान अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन द्वारा विकसित चार इंजन वाला टर्बोप्रॉप सैन्य परिवहन विमान है। इसे छोटे और अपर्याप्त रनवे से आसानी से उड़ान भरने व उतरने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका प्राइमरी कार्य माल ढोना, सैनिकों और उपकरणों का परिवहन करना है। इसके अलावा, इसे गनशिप, हवाई हमले और टोही अभियानों में भी इस्तेमाल किया जाता है। बता दें कि तुर्की का एक सैन्य मालवाहक विमान अजरबैजान की सीमा के निकट जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त हो हुआ।

रूस दुबई में पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट एसयू-57 प्रमोट करने की तैयारी में

पांच सालों में एक भी विदेशी ऑर्डर नहीं, रूस की मार्केट पोजिशन कमजोर

दुबई, एजेंसी। रूस के पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर एसयू-57 का नया प्रोमोशनल वीडियो सामने आया है। इस वीडियो ने डिफेंस एक्सपर्ट्स के बीच हलचल मचा दी है। वीडियो में रूसी स्टील्थ फाइटर जेट आसमान में करतब करता दिख रहा है। इस वीडियो ने अटकलों को हवा दी है कि यह विमान 17 नवंबर से शुरू होने वाले दुबई एयर शो की तैयारी है। वीडियो में 509 टेल नंबर वाले एसयू-57 को जबरदस्त एरियल मैन्युवर्स और बम बे डोर खुले हुए उड़ते देखा गया। इसी वजह से यह अटकलें तेज हो गई कि विमान 17 नवंबर से शुरू हो रहे दुबई एयर शो 2025 में एयर डेमो करने जा रहा हैं। रूस के यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन यानि यूएसी ने 9 नवंबर को इस वीडियो को जारी किया है और लिखा कि डिजाइनर की बुद्धिमत्ता, पायलट की क्षमता, शक्ति और सुंदरता, तकनीक और श्रेष्ठता। जल्द ही कई लोग इसकी तारीफ करेंगे। यह पहली बार है

जब एसयू-57 को उड़ान के दौरान अपने इंटरनल और एक्सटर्नल मिसाइल बे दिखाते देखा गया, जिसमें आर-37 और आर-74एम मिसाइलें शामिल थीं। इसका मतलब है कि रूस ये दिखा रहा है कि ये विमान अपने पेट के अंदर और पेट के बाहर भी घातक मिसाइलें ले जा सकता है। वहीं एक और दिलचस्प बात ये है कि अक्टूबर 2025 में विमान के इंटरनल बे में रखे हथियारों के बारे में पहली बार पता चला था।

दुबई एयर शो में एसयू-57 की भागीदारी की पुष्टि फिलहाल ना तो रूसी रक्षा मंत्रालय ने की है और ना ही दुबई एयर शो की आधिकारिक वेबसाइट ने इसकी जानकारी दी है, लेकिन टाइमिंग ने अटकलों को हवा दे दी है। यह वही विमान है जिसने पहली बार 2024 में चायना एयर शो में हिस्सा लिया था और फिर 2025 में एयरो इंडिया में शानदार हवाई प्रदर्शन किया था। दोनों मौकों पर इसके पायलट सर्गेई बोगदान को दर्शकों ने स्टैंडिंग ओवेशन दिया था।

भारत में एफ-35 और एसयू-57 की एक साथ उड़ान ने उस इवेंट को ऐतिहासिक बना दिया था। अब जब रूस दुबई में अपने पांचवीं पीढ़ी के जेट को प्रमोट करने की तैयारी में है, तो इसे एक बड़े एक्सपोर्ट पिच के तौर पर देखा जा रहा है यानि रूस इसे बेचने के लिए हाथ पांव मार रहा है। इसीलिए सवाल उठ रहे हैं कि क्या रूस के इस फाइटर जेट को कोई खरीदेगा? रूस बार-बार भारत को सौ फीसदी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और सोर्स कोड देने का ऑफर दे रहा है। हालांकि भारत की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं कहा गया है। रूस भारत को इस विमान की पेशकश कर रहा है, ज्वाइंट प्रोडक्शन के साथ साथ, एसयू-30एमकेआई के अपग्रेडेशन और भारत के अपने पांचवीं पीढ़ी के विमान, एएमसीए में भी मदद का वादा कर रहा है। भारत से अनुबंध मिलने की उम्मीद में, वह भारत में एसयू-57 का उत्पादन स्थापित करने के लिए निवेश योजनाओं पर विचार कर रहा था, लेकिन सितंबर 2025 में 114 राफेल खरीदने के भारतीय वायु सेना के प्रस्ताव ने शायद रूस को बड़ा झटका दिया है। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं है। रूस दावा करता है कि एसयू-57 अब भी अपने डेवलपमेंट के एडवांस स्टेज में है और उसका फुल स्केल प्रोडक्शन भी शुरू हो चुका है, लेकिन पिछले पांच सालों में एक भी बड़ा विदेशी ऑर्डर रूस को इस फाइटर जेट के लिए नहीं मिला है, जिससे इसकी मार्केट पोजिशन कमजोर है।

अब प्रत्येक लाड़ली बहना को हर माह 1500 रूपये कृ मुख्यमंत्री ने किया सिंगल क्लिक से राशि अंतरण

सीधी जिले की 2 लाख से अधिक बहनों को मिला लाभ

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को जिला सिवनी से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की राशि प्रदेशभर के पात्र हितग्राहियों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। इस अवसर पर सीधी जिले की 2 लाख से अधिक महिलाओं को योजना का लाभ प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री ने सिवनी में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1.26 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में कुल 1857 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इस माह से प्रत्येक लाड़ली बहना को 1500 रूपये प्रतिमाह की राशि जमा की जा रही है, जो महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

सीधी जिले में लाड़ली बहना योजना अंतर्गत 2,09,674 महिलाओं के खातों में प्रति महिला 1500 रूपये के मान से कुल 30 करोड़ 95 लाख रूपये से अधिक की राशि जमा की गई। कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास प्रवेश मिश्रा, सहायक संचालक अंजली पांडेय, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में हितग्राहियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम अधिकारी श्री मिश्रा ने बताया कि योजना का लाभ जनपद पंचायत कुसमी की 17,406, मझौली की 29,186, रामपुर नैकिन की 44,093, सीधी की 54,586 और सिहावल की 51,581 महिलाओं सहित नगर पालिका एवं नगर परिषद क्षेत्रों की महिलाओं को भी मिला।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी बहनों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और समान अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

सिंचाई कर्मचारी के घर 3 लाखों की चोरों ने अलमारी तोड़कर नकदी और गहने चुराए; घर में अकेली थी पत्नी

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। सोहागपुर थाना क्षेत्र में सिंचाई विभाग के कर्मचारी सिद्धगणेश शुक्ला के घर लाखों रुपए की चोरी हुई है। अज्ञात चोरों ने राम जानकी मंदिर के पास वार्ड क्रमांक 3/4 स्थित उनके सूने घर को निशाना बनाया और अलमारी तोड़कर नकदी व सोने-चांदी के गहने चुरा लिए। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। मंगलवार रात सिद्धगणेश शुक्ला ड्यूटी से लौटने के बाद दूध बांटने घर से बाहर गए थे। इस दौरान उनकी पत्नी भारती शुक्ला घर पर अकेली थीं। रात करीब 11 बजे उन्होंने घर के भीतर अलमारी टूटी देखी और तुरंत पति को सूचना दी। सिद्धगणेश के घर पहुंचने पर पता चला कि अलमारी के ताले टूटे थे और उसमें रखे सामान गायब थे।

घर से लगभग 3 लाख का सामान चोरी: चोरी हुए सामान में दो सोने की चेन, दो हार, तीन अंगूठियां, तीन मंगलसूत्र, एक ओम लॉकेट, सोने की बेदी, चांदी की पायल और कुछ बर्तन शामिल हैं। चोरी गए माल की कुल कीमत लगभग तीन लाख रुपए बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही सोहागपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की मदद से जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि चोरों का पता लगाया जा सके।

एएसपी बोले- आसपास के क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है: एएसपी अभिषेक दिवान ने बताया कि पुलिस टीमों को सक्रिय कर दिया गया है। संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। फोरेंसिक टीम ने भी मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने जल्द ही चोरी का खुलासा करने का दावा किया है।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद शहडोल में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट, होटल-लॉज और बस स्टैंड पर चला चेकिंग अभियान; एसपी बोले- फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रित

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। लाल किला ब्लास्ट के बाद देशभर में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। इसी क्रम में शहडोल जिला प्रशासन और पुलिस ने भी जिलेभर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने संयुक्त रूप से सभी थाना प्रभारियों को सतर्क रहने के निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत शहर के होटल, लॉज, रैनबसेरा और सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस ने सघन जांच अभियान शुरू कर दिया है। बुधवार देर रात से ही कोतवाली पुलिस ने शहर के प्रमुख होटलों और लॉजों में दबिश दी। इस दौरान पुलिस ने वहां ठहरे यात्रियों के नाम-पते, मोबाइल नंबर और पहचान पत्र की जानकारी रजिस्टर से मिलान की। कई स्थानों पर रजिस्टर अधूरे पाए जाने पर होटल संचालकों को फटकार लगाई गई। उन्हें चेतावनी दी गई है कि भविष्य में बिना पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति को ठहराने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ठहरने वाले व्यक्तियों का आईडी थाने में जमा करना अनिवार्य: कलेक्टर ने भी सभी होटल और लॉज संचालकों को आदेश जारी करते हुए कहा है कि प्रतिदिन ठहरने वाले व्यक्तियों का पूरा विवरण संबंधित थाने में अनिवार्य रूप से जमा कराना होगा। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई सावधानी के तौर पर की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। इसके अतिरिक्त, पुलिस टीमों ने बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी जांच अभियान चलाया। बसों और ट्रेनों में सवार यात्रियों के बैगों की जांच की गई और कई स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई। पुलिस ने आम जनता से भी अपील की है कि वे किसी अज्ञात या संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम या नजदीकी थाने को दें।

एसपी बोले- जिले में फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण: एसपी ने बताया कि जिले में फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी तरह की चिंता की बात नहीं है। हालांकि, सुरक्षा को लेकर कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। सभी थाना प्रभारियों को गश्त बढ़ाने, सीसीटीवी फुटेज की नियमित जांच करने और सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस उपस्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पीएम जनमन योजना के कार्यों की समीक्षा - क्रियान्वयन में लाएं तेजी : सीईओ सोलंकी

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र में प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यों एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत प्रस्तावित सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। सीईओ श्री सोलंकी ने कहा कि पीएम जनमन योजना का उद्देश्य जनजातीय समुदायों को शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, आवास, विद्युत जैसी आधारभूत सुविधाओं से सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि यह योजना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है, अत: इसके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की उदासीनता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागों के बीच समन्वय बनाए रखते हुए कार्यों की प्रगति नियमित रूप से मॉनिटर करें। जिन कार्यों के लिए वन विभाग से अनुमति लंबित है, उनके संबंध में विभागीय स्तर पर समुचित संवाद स्थापित कर शीघ्र निपटारा किया जाए। यदि किसी कार्य में अनुमति नहीं मिल रही है, तो उसके स्पष्ट कारणों का उल्लेख करते हुए अपील की कार्यवाही की जाए। सीईओ सोलंकी ने कहा कि पीएम जनमन योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों से जनजातीय क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास सुनिश्चित होगा और लोगों के जीवन स्तर में ठोस सुधार आएगा।

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत अपने-अपने घर जा रहे थे दोनों

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। देवलौंद थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। धरी नंबर दो गांव के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से बाइक टकरा गई। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने कुछ घंटों के भीतर ही ट्रक सहित पकड़ लिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान महेश साकेत (25) पुत्र विश्वनाथ साकेत, निवासी धरी नंबर दो, और राजकुमार कोल (50) पुत्र चंदू कोल, निवासी जनकपुर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रहे थे। रात करीब 10 बजे धरी नंबर दो के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से उनकी बाइक टकरा गई, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

राहगीरों ने सड़क पर शव देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही देवलौंद थाना प्रभारी सुभाष दुबे पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शवों की पहचान कर पंचनामा कार्रवाई की और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा।

पुलिस के अनुसार, घटनास्थल पर ट्रक के टायरों के निशान और सड़क पर बिखरी रेत देखकर यह अंदेशा हुआ कि टक्कर किसी खड़े वाहन से हुई थी। इसके बाद जांच शुरू की गई और कुछ ही घंटों में पुलिस ने एमपी 17 एचएच 3501 नंबर का ट्रक बरामद कर लिया। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। चालक ने बताया कि वह सड़क किनारे ट्रक खड़ा कर अपने साथी का इंतजार कर रहा था, तभी पीछे से एक तेज रफ्तार बाइक ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद वह घबरा गया और ट्रक को गांव के एक सुनसान इलाके में छिपा दिया था।

बायपास पर होगी सड़क की मरम्मत, 8 साल पुराना मार्ग अब गड्ढों में बदला; पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मझौली वासियों के लिए राहत की खबर है। लंबे इंतजार और लगातार शिकायतों के बाद आखिरकार मझौली बाईपास सड़क की मरम्मत की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बुधवार को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मुख्य कार्यपालन यंत्री एमके परते ने मौके पर पहुंचकर सड़क का निरीक्षण किया और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू करने की बात कही।

आठ साल पुरानी सड़क, अब गड्ढों में बदली: करीब आठ साल पहले बनी यह बाईपास सड़क अब जर्जर हो चुकी है। पिछले कई वर्षों से सड़क की हालत इतनी खराब हो गई थी कि उस पर चलना भी मुश्किल हो गया था। जगह-जगह गहरे गड्ढे और टूटी परत के कारण वाहन चालकों को बार-बार हादसों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों के अनुसार, तीन साल से यह स्थिति बनी हुई है और किसी ने इस दिशा में ध्यान नहीं दिया।

बाजार से गुजरना बन रहा था मजबूरी: सड़क की खराब हालत के कारण लोगों को या तो गड्ढों से भरी सड़क से गुजरना पड़ता था, या फिर बाजार के अंदर से होकर जाना पड़ता था। बाजार का रास्ता संकरा होने के कारण वहाँ रोजाना ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती थी। लोगों ने इस परेशानी को लेकर कई बार कलेक्टर, सीईओ और नगर पंचायत अध्यक्ष से शिकायत की। यहां तक कि जनसुनवाई में आठ बार आवेदन दिए गए, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। नगर पंचायत अध्यक्ष लवकेश सिंह ने बताया कि उन्होंने कई बार विभाग को पत्र लिखकर इस सड़क के निर्माण की मांग की थी। उनके निरंतर प्रयासों के बाद ही पीडब्ल्यूडी अधिकारी मौके पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान, मुख्य कार्यपालन यंत्री ने अधिकारियों को तत्काल सर्वे करने और निर्माण कार्य की तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए।

नवम्बर माह में बढ़ी हुई राशि से खुश बबली विश्वकर्मा

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक 24 की निवासी बबली विश्वकर्मा नवम्बर माह से बढ़ी हुई 250 रुपये की राशि मिलने पर बेहद खुश हैं। उन्होंने लाड़ली बहनों के भैया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार जताते हुए कहा कि अब उन्हें हर माह 1500 रुपये की सहायता मिल रही है, जिससे उनका आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों बढ़े हैं। विश्वकर्मा ने बताया कि यह योजना महिलाओं के जीवन स्तर सुधारने और आत्मनिर्भर बनाने में बड़ी भूमिका निभा रही है। हर माह मिलने वाली राशि से वे बच्चों की पढ़ाई और घरेलू खर्च सहजता से पूरा कर पा रही हैं। उनके अनुसार, बढ़ी हुई राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सम्मान, स्नेह और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है, जिसने उनके जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास की किरण जगाई है।

दिन में बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक, अब रात 9 से सुबह 9 बजे तक मिलेगी एंट्री; नगर परिषद का फैसला

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मझौली नगर में लंबे समय से चली आ रही जाम की समस्या से निपटने के लिए नगर परिषद ने कहा है कि अब नगर पंचायत क्षेत्र में रात 9 बजे के बाद ही बड़े वाहनों को प्रवेश की अनुमति मिलेगी। इस संबंध में आदेश नगर परिषद अध्यक्ष लवकेश सिंह ने बुधवार दोपहर करीब 2 बजे जारी किया। जारी आदेश के अनुसार, दुकानदारों और ग्राहकों को अपने वाहन दुकानों से 50 मीटर के दायरे में ही पार्क करने होंगे। नगर परिषद की टीम ने दुकानों के बाहर चिन्हांकन भी करवा दिया है ताकि कोई भी व्यक्ति निर्धारित सीमा से बाहर वाहन खड़ा न करे। सड़क पर अनियमित रूप से वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लोगों की शिकायत पर लिया फैसला: अध्यक्ष लवकेश सिंह ने बताया कि कई लोगों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों में कहा गया था कि नगर में दिनभर भारी वाहनों के आवागमन से जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे लोगों को असुविधा होती है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। इन्हीं शिकायतों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

नियम नहीं मानने वालों पर होगी कार्रवाई: नगर परिषद के प्रभारी सीएमओ अमित सिंह ने जानकारी दी कि अध्यक्ष के आदेश का पालन तय करने के लिए पुलिस और परिषद की एक संयुक्त टीम बनाई गई है। बड़े वाहनों को रात 9 बजे से सुबह 9 बजे तक ही नगर में प्रवेश की अनुमति होगी। दिन के समय यदि कोई वाहन प्रवेश करता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय में हुई लापरवाही की जांच के दिए निर्देश

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने जिला चिकित्सालय सीधी में उपचार के दौरान हुई मृत्यु के मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, 08 नवम्बर की रात सड़क दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति को रात्रि 10 बजे जिला चिकित्सालय सीधी में भर्ती कराया गया था, जिसकी 09 नवम्बर की दोपहर 1 बजे उपचार के दौरान मृत्यु हो गई।

युवक ने गाय को पैर बांधकर लाठी से पीटा, गौसेवक ने थाने में दर्ज की शिकायत; आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। बरगवां थाना क्षेत्र से एक युवक गाय को बेरहमी से पीटता हुआ दिखाई दे रहा है। पशु क्रूरता का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो वायरल होने के बाद गौ सेवा संस्थान के सदस्यों ने तत्काल बरगवां थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। गौ सेवा संस्थान के सदस्य हार्दिक द्विवेदी ने बताया कि आरोपी युवक इंद्र कुमार पाल ने गाय के दोनों पैर रस्सी से बांध दिए थे। इसके बाद वह लाठी से लगातार गाय को तब तक पीटता रहा, जब तक वह जमीन पर गिर नहीं गई। संस्थान ने इस कृत्य को अमानवीय और क्रूरतापूर्ण बताते हुए पुलिस से लिखित शिकायत की थी।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया: शिकायत के आधार पर बरगवां थाना प्रभारी मोहम्मद समीर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी इंद्र कुमार पाल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वीडियो में दिख रही गाय उसी की है। उसने बताया कि गाय तीन दिनों से लापता थी और अचानक घर लौट आई, जिसके कारण गुस्से में आकर उसने गाय को पीटा। पुलिस ने आरोपी इंद्र कुमार पाल के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वहीं, गौ सेवा संस्थान के सदस्यों ने मांग की है कि ऐसे मामलों में कठोरतम कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति पशुओं के साथ इस तरह का अमानवीय व्यवहार न कर सके।

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर कुसमी में गौरव दिवस, जागरूकता रथ रवाना; नेताओं-अधिकारियों ने की पूजा-अर्चना

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जनजातीय गौरव और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती गौरव दिवस बुधवार को कुसमी में मनाया गया। जनपद पंचायत कुसमी के प्रांगण में आयोजित समापन समारोह में बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण और पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनके आदर्शों व संघर्षों को नमन किया। इस अवसर पर 'धरती आबा जागरूकता रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रथ क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर जनजातीय समाज के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वावलंबन से संबंधित जानकारी लोगों तक पहुंचाएगा। कार्यक्रम में धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने बिरसा मुंडा के संघर्षों को प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने आत्मसम्मान, आज़ादी और सामाजिक एकता के लिए संघर्ष किया था।

विधायक ने यह भी बताया कि जनजातीय समाज के उत्थान और संस्कृति संरक्षण के लिए केंद्र व राज्य सरकारें कई योजनाएं चला रही हैं, जिन्हें धरातल तक पहुंचाना सबकी जिम्मेदारी है। जनपद अध्यक्ष श्यामवती सिंह ने कहा कि धरती आबा के संघर्ष का परिणाम आज हमारी आज़ादी और सामाजिक समानता के रूप में दिखाई देता है। उन्होंने युवाओं से बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज सेवा के मार्ग पर चलने की अपील की। इस अवसर पर सहायक संचालक दीपक निगम मंडल, संयोजक संजीव सिंह, जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह, जनपद सदस्य वीणा सिंह, सरपंच चेतना सिंह, सीता सिंह, मंडल अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह, परियोजना प्रशासक एस.एन. द्विवेदी, सीईओ जनपद ज्ञानेन्द्र मिश्रा, सीएम राइज प्राचार्य पी.के. पांडेय, बीआरसीसी अंगिरा द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित- वित्तीय समझदारी, समृद्ध नारी थीम पर हुआ आयोजन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। भारतीय रिजर्व बैंक के वित्तीय समावेशन विभाग द्वारा वित्तीय समझदारी, समृद्ध नारी शीर्षक के अंतर्गत जिला मुख्यालय सीधी स्थित मानस भवन में एकदिवसीय वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में भारतीय रिजर्व बैंक भोपाल के अधिकारी अंकुश सिन्हा एवं धीरज गुप्ता, जिला पंचायत सीधी से अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी मिनी अग्रवाल, अग्रणी जिला प्रबंधक अवध बिहारी चौधरी, एनआरएलएम से अजय सिंह तथा यूनियन बैंक के मुख्य प्रबंधक अमित कुमार उपस्थित रहे।

शिविर के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं को वित्तीय समावेशन के मूल स्तंभों कृ बचत, बीमा, निवेश, पेंशन, ऋण खाते की पुन: केवाईसी, डिजिटल बैंकिंग एवं वित्तीय सतर्कता-जागरूकता से संबंधित विषयों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। शिविर के समापन पर भारतीय रिजर्व बैंक भोपाल की ओर से एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 10 महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में वित्तीय ज्ञान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाना था, ताकि वे अपने परिवार और समाज के आर्थिक सशक्तिकरण में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

पाक का 'संवैधानिक तानाशाह'

संपादकीय

सैयद असीम मुनीर अहमद शाह को पाकिस्तान का 'शहंशाह' कहें अथवा 'संवैधानिक तानाशाह' कहें या बेताज बादशाह कह लें, लेकिन वह ऐसे शख्स हैं, जो राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सर्वोच्च अदालत से भी 'सुप्रीम' हैं। दुनिया में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। सैन्य शासक 'तानाशाह' हो सकते हैं या उत्तरी कोरिया का तानाशाह किम जोंग उन है, लेकिन कोई देश जम्हूरियत (लोकतंत्र) का स्वांग भरे, चुनाव कराने का ढोंग किया जाए, वहां का सेना प्रमुख, अंततः, 'मुल्क का शहंशाह' बन जाए, यह विरला उदाहरण पाकिस्तान में ही सामने आया है। 'कठपुतली प्रधानमंत्री' शहबाज शरीफ शुक्र मना सकते हैं कि उनकी हुकूमत का तख्तापलट नहीं किया गया। अलबत्ता पाकिस्तान में कथित निर्वाचित सरकारों की हुकूमतें पलटी जाती रही हैं और सेना प्रमुख 'तानाशाह राष्ट्रपति' बनते रहे हैं। अयूब खान, याह्या खान, जिया उल हक और परवेज मुशर्रफ सरीखे तानाशाहों ने पाकिस्तान पर हुकूमत की है, लेकिन उनके अंत बेहद त्रासद् और दयनीय रहे हैं। मौजूदा फील्ड मार्शल एवं सेना प्रमुख जनरल मुनीर इन तमाम तानाशाहों को पीछे छोड़ कर एक ऐसा उदाहरण बन चुके हैं, जो दुनिया में लोकतंत्र, संविधान, संसद, मानवाधिकार सरीखी व्यवस्थाओं और उनके नागरिक मूल्यों को चिढ़ा रहे हैं। उनका मखौल उड़ा रहे हैं। मुनीर खुद ही पाकिस्तान का 'नया तानाशाह' नहीं बना। उन्होंने हुकूमत और संसद को विवश किया है। संसद और सीनेट में यह संविधान संशोधन पारित किया गया है और मुनीर के लिए एक नए पद का सृजन किया गया है-'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ)।' यह पद 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' भारत में भी है, लेकिन वह निरंकुश और स्वयंभू नहीं है। वह राष्ट्रपति और केंद्रीय कैबिनेट के अधीन सेवारत है। पाकिस्तान के सीडीएफ मुनीर को न तो राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री हटा सकते हैं और न ही सर्वोच्च अदालत में कोई केस किया जा सकता है। वह कानून और अपराध से बहुत परे हैं। वह ताउम्र फौजी की वर्दी पहन सकेंगे और थल सेना, वायुसेना, नौसेना के प्रमुखों की नियुक्ति करेंगे।

दरअसल अब पाकिस्तान में राष्ट्रपति सेनाओं के सुप्रीम कमांडर नहीं, बल्कि सीडीएफ मुनीर नए 'सर्वोच्च जनरल' होंगे। तीनों सेनाएं और उनके प्रमुख अब सीडीएफ को जवाबदेह होंगे। जाहिर है कि राष्ट्रपति भी 'कठपुतली' बन कर रह जाएंगे। मुनीर को उनकी नई सत्ता से बेदखल करने का एक ही अंतिम रास्ता है-संसद में महाभियोग सरीखा प्रस्ताव दो-तिहाई बहुमत से पारित कराना। यह भी असंभव लगता है, क्योंकि उस प्रस्ताव की इजाजत फौज से भी ली जाएगी।

बढ़ती मानसिक परेशानियां युवाओं से लेकर अधिकारियों तक 'एंजायटी-डिप्रेशन' की गिरफ्त में देश

ज्ञानू निगम

आज के आधुनिक और तेज़ रफ्तार जीवन में मानसिक स्वास्थ्य एक गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। मीडिया रिपोर्ट इस सच्चाई को उजागर करती है, कि एंजायटी और डिप्रेशन जैसी मानसिक बीमारियाँ अब सिर्फ कुछ वर्गों तक सीमित नहीं रहीं, यह बीमारी अब युवाओं से लेकर अधिकारियों और गृहिणियों तक सभी को अपनी गिरफ्त में ले चुकी है।

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि मानसिक परेशानी से जूझ रहे 60 फीसद मरीज 34 साल से कम उम्र के हैं। यह आँकड़ा बेहद चिंताजनक है क्योंकि यह दर्शाता है कि देश का सबसे सक्रिय और उत्पादक वर्ग यानी युवा मानसिक तनाव से सबसे अधिक प्रभावित है। सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव, प्रतियोगिता, असफलता का डर, बेरोज़गारी और अकेलापन इन बीमारियों के प्रमुख कारण बनते जा रहे हैं।

तेज़ रफ्तार जीवनशैली और दबाव की दुनिया

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आज की युवा पीढ़ी लगातार 'परफेक्ट लाइफ' की चाह में जी रही है। सफलता की दौड़ में वे अपने ऊपर अत्याधिक दबाव डाल रहे हैं। पढ़ाई, नौकरी, करियर और रिश्तों में असफलता का डर उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल रहा है। कई मामलों में यह तनाव डिप्रेशन में बदल जाता है और व्यक्ति को आत्मघाती विचारों तक पहुँचा देता है।

सिर्फ युवा ही नहीं, बल्कि अधिकारी वर्ग और गृहिणियाँ भी इस जाल में फँस रहे हैं। अधिकारियों पर काम का अत्याधिक दबाव, लक्ष्य पूरे करने की प्रतिस्पर्धा और निजी जीवन में असंतुलन, मानसिक स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं। वहीं गृहिणियों में पारिवारिक तनाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और संवाद की कमी डिप्रेशन का प्रमुख कारण बन रही हैं।

महिलाएँ और मानसिक स्वास्थ्य

अध्ययन यह भी दिखाते हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाएँ डिप्रेशन और एंजायटी की शिकार अधिक होती हैं। गृहिणियों का जीवन बाहर से भले ही सहज लगे, लेकिन घरेलू जिम्मेदारियों, आर्थिक निर्भरता और मान्यता की कमी से वे भीतर ही भीतर टूटती जाती हैं। कई महिलाएँ अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त नहीं कर पातीं, जिससे मानसिक स्थिति और बिगड़ जाती है।

डिजिटल युग का प्रभाव

डिजिटल दुनिया ने जहाँ जीवन को आसान बनाया है, वहीं यह तनाव का बड़ा कारण भी बन गई है। लगातार सोशल मीडिया पर दूसरों की 'सफल' जिंदगी देखकर लोग उनसे अपनी तुलना करने लगते हैं। यह 'कम्पैरिजन सिंड्रोम' व्यक्ति के आत्मविश्वास को तोड़ देता है। विशेषज्ञों के अनुसार, सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग नींद, ध्यान और आत्म-संतुलन को प्रभावित करता है।

कोविड-19 और मानसिक स्वास्थ्य पर असर

कोविड-19 महामारी ने इस स्थिति को और गंभीर बना दिया। लॉकडाउन के दौरान सामाजिक दूरी, नौकरी की अनिश्चितता और भविष्य का डर मानसिक समस्याओं को बढ़ाने का कारण बना। महामारी के बाद भी लोग उस तनाव से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं।

ज़रूरत है जागरूकता और संवाद की भारत में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अब भी कई गलत धारणाएँ हैं। लोग इसे कमजोरी मानते हैं और मनोचिकित्सक के पास जाने से झिझकते हैं। जबकि मानसिक बीमारी भी किसी शारीरिक बीमारी की तरह ही इलाज योग्य है। ज़रूरत है कि समाज में इस विषय पर खुला संवाद हो और लोगों को जागरूक किया जाए कि सहायता लेना शर्म की बात नहीं है।

सरकार और समाज की भूमिका-सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य मिशन के तहत कई कदम उठाए हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर अभी बहुत काम किया जाना बाकी है। स्कूलों, कॉलेजों और दफ्तरों में काउंसलिंग सुविधाएँ और मेंटल हेल्थ अवेयरनेस प्रोग्राम शुरू किए जाने चाहिए। मीडिया और सोशल प्लेटफॉर्म को भी इस दिशा में संवेदनशील भूमिका निभानी चाहिए।

हालिया विस्फोट दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास एक खड़ी कार जोरदार विस्फोट हुआ इस हादसे में 10 की मौत हुई है। Hyundai i20) में तेज धमाका हुआ, जिसमें शुरुआती आधिकारिक व मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कई नागरिक मारे गए और दर्जनों घायल हुए। घटनास्थल पर तेज आग और भारी तबाही हुई, आसपास की सड़कों पर भय और अफरा- तफरी फैली। केंद्रीय एजेंसियां राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA), नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (हस्त) और फोरेंसिक टीम तफ्तीश में जुटी हुई हैं और सीसीटीवी व वाहन के मालिक रजिस्ट्रेशन के सूत्रों की जांच की जा रही है।

लाल किले के समीप उच्च तीव्रता वाले धमाके से दहला दिल्ली

कांतिलाल मांडोत

केंद्र सरकार व गृह मंत्रालय ने इसे गंभीर घटना माना और कई राज्यों में सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है।खासकर उन राज्यों में जहां चुनावी चरण निकट हैं। बिहार में भी पुलिस और अर्धसैन्य बलों को सतर्क करने के आदेश दिए गए हैं। इस तरह की घटनाओं से सुरक्षा बलों ने तत्काल जवाब दे दिया है और हाई अलर्ट लगाया गया है।

शाम और खबरों के अपडेट के साथ बदल सकती है।ऊपर दिए गए आँकड़े समाचार रिपोर्टों पर आधारित प्राथमिक जानकारी हैं।

राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में क्या यह बिहार चुनाव प्रभावित करने की साजिश है?ऐसी हिंसक घटनाएँ चुनावी माहौल पर तुरन्त असर डालती हैं।भय, अनिश्चय और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या लक्ष्य चुनावी माहौल बाधित करना, सरकार को अस्थिर दिखाना या किसी क्षेत्रीय,राष्ट्रीय राजनीतिक मकसद के लिए माहौल बनाना था। वर्तमान जांच अभी शुरुआती चरणों में है।

कुछ सरकारी बयान साजिश की संभावनाएँ जांच में होने का संकेत देते हैं, परन्तु किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले तथ्य जैसे कि किसका हाथ है, धमाके में प्रयुक्त सामग्री, गिरोह या आत्मघाती लिंक स्पष्ट होना आवश्यक है।

राजनीतिक रूप से ऐसे हमले अक्सर दो तरह के उद्देश्य रखते हैं। भय फैलाकर नागरिकों और मतदाताओं का मन बदलना और दूसरा प्रशासनिक संसाधनों को विचलित करना ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर असर पड़े। इसलिए घटना को चुनावी साजिश के रूप में देखने पर भी प्रमाण-आधारित निष्कर्षों की आवश्यकता है । अफवाहें और जल्दबाज़ी में आरोप-प्रत्यारोप लोकतंत्र और कानून-व्यवस्था को और जटिल कर देंगे। तत्काल तुरन्त कदम केंद्र और राज्य के लिए सख्त निर्णयात्मक है।पूर्ण आपात-तहकीकात और पारदर्शी अपडेटः NIA/NSG/Forensic टीमों को घटना स्थल और संदिग्ध तारों की त्वरित, समेकित जांच की स्वतंत्रता दे। जांच परिणामों का तय समय पर सार्वजनिक, नियंत्रित और वैज्ञानिक रूप से प्रस्तुत अपडेट दें ताकि अफवाहों का दमन हो।

चुनाव सुरक्षा की अतिरिक्त परतें निर्वाचन आयोग, राज्य पुलिस और केंद्रीय बल (BSF/RPF/CRPF/NSG) के बीच तात्कालिक समन्वय , संवेदनशील बूथों, मतगणना केंद्रों, तटस्थ विधानसभा क्षेत्रों और किले मठ,प्रसिद्ध सार्वजनिक स्थलों पर अतिरिक्त सुरक्षा तैनात की जाए। चुनाव दिवसों के आसपास मोबाइल ब्लॉक और संदिग्ध वाहनों की जांच प्राथमिकता से होनी चाहिए। वाहन-निगरानी व पार्किंग निर्बंध बड़े सार्वजनिक स्थानों जैसे मेट्रो स्टेशनों, किले, चुनावी सभाओं के समीप – वाहनों की रोक-टोक और पार्किंग के तरीके संशोधित किए जाएँ।संदिग्ध पार्क किए गए वाहनों के लिए त्वरित जांच प्रोटोकॉल अपनाए जाएँ जैसे बायो-नवाइजेंस, विस्फोटक खोज कुत्तों की तैनाती, क्ष्छ्स/ढ्ढश्वष्ठ स्कैन)। यह कदम जनता को असहज कर सकता है, पर यह अस्थायी और आवश्यक है। सुरक्षा उपाय के तकनीकी विवरण चर्चा योग्य हैं पर विस्तृत तरीके खुल कर साझा न करें – ताकि गलत लोगों को दिशा न मिले।सूचना-शासन (ढ्ढन्फो मैनेजमेंट गृह मंत्रालय और राज्य प्रशासन को सोशल मीडिया मॉनिटरिंग बढ़ानी चाहिए ताकि झूठी खबरें, भय फैलाने वाले पोस्ट और प्रोवोकेटिव सामग्री पर त्वरित कार्रवाई हो। साथ ही, आधिकारिक चैनलों एक नंबर, ऐप और आधिकारिक ट्विटर-फेसबुक पेजके ज़रिये नियमित सत्यापित सूचनाएँ दें।यह अफवाहों को दबाने का सबसे प्रभावी तरीका है। कठोर कानून लागू करें पर निष्पक्ष जांच भी सुनिश्चित करें। यदि जांच से आतंकवादी साजिश के संकेत मिलते हैं, तो विशेष आतंकवाद विरोधी धाराओं का प्रयोग कर तत्काल गिरफ्तारियाँ की जानी चाहिए। पर गिरफ्तारी व मुकदमों में न्यायिक प्रक्रिया का पालन आवश्यक है ताकि किसी निर्दोष के उत्पीड़न का आरोप नहीं उठे।

लंबे समय के नीतिगत कदम लोकतंत्र और चुनाव की सुरक्षा- इंटेलिजेंस शेयरिंग का स्थायी तंत्र है।केंद्र-राज्य और गृह-निगमों के बीच रीयल-टाइम इंटेलिजेंस शेयरिंग है।खासकर चुनावी सीज़न से पहले अनिवार्य किया जाए। चुनिंदा हॉटस्पॉटकी पहचान कर वहां पूर्व-सक्रिय निगरानी रखें।

लोकल कम्युनिटी इंटेलिजेंस को मजबूत बनाना होगा।स्थानीय पुलिस स्टेशन, पैनल-वासियों के प्रतिनिधियों और आशा/स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दें कि वे संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट कैसे करें।नज़र-रखो का सांस्कृतिक और जवाबदेही आधार बनाएँ। यदि लोकल समुदाय सतर्क रहेगा तो हमलों के पहले संकेत पकड़े जा सकते हैं।इन्फ्रास्ट्रक्चर हार्डनिंग सार्वजनिक स्थलों पर CCTV कवरेज, पब्लिक-एरिया लाइटिंग, इमरजेंसी एक्सिट साइन, वाहनों के लिए सुरक्षित-ड्रॉप ज़ोन इत्यादि को डिज़ाइन करें ताकि भीड़ प्रबंधन और इमरजेंसी रेस्पॉन्स बेहतर हो।चुनाव-सम्बन्धी आपदा प्लान निर्वाचन आयोग को हर चुनाव के लिए एक आपदा-तैयारी प्लान रखना चाहिए।जिसमें विस्फोट हिंसा,प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मतदाताओं की सुरक्षा और चुनाव प्रक्रिया को कैसे रोका नहीं जाए इसका रोडमैप हो।लोकल स्थानीय आतंकवादी संभावनाएँ है।क्या सचमुच लोकल भी हो सकते हैं?घर के भीतर उत्पन्न हुए आतंकवादी तत्वों की संभावना को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए। रिपोर्टों में यह बात बताई जा रही है कि घटनास्थल पर इस्तेमाल कार का रजिस्ट्रेशन और मालिक-व्यापारिक हिस्ट्री की जांच की जा रही है। कई बार स्थानीय असमाधान स्थानीय चरमपंथ समूह किसी बड़ी साजिश में उपयोग हो जाते हैं। इसलिए स्थानीय निगरानी, किराए के कमरों/गोदामों की चेकिंग, और ऐसे नेटवर्क का पता लगाना महत्वपूर्ण है। पर यह भी ध्यान रखें कि स्थानीय दुष्प्रेरणा पर त्वरित निष्कर्ष निकालना भेदभाव या समुदाय के विरुद्ध नज़रिए को बढ़ावा दे सकता है–तलाशी और गिरफ़्तारियां कानून के दायरे में और साक्ष्य-आधारित होनी चाहिए। नागरिकों के लिए व्यावहारिक दिशा-निर्देश कैसे सतर्क रहें (panic नहीं, पर तैयार। भीड़ में रहें तो ध्यान रखें और भीड़ में अचानक ध्वनि कंपन धुएँ का अनुभव हो तो घबराकर भागने से परहेज़ करें। धीरे-धीरे निकास की दिशा खोजें, निकटत इमरजेंसी-एग्जिट या खुले स्थान की ओर जाएँ। बड़े समूहों में धक्का-मुक्की घातक हो सकती है; संयम रखें।

संदिग्ध वाहनपैकेज देखें तो न छुएँ । तुरंत पुलिस को सूचित करें।वाहन के बाहर से अजीब आवाज़, असामान्य तार, धुएँ या तेज़ गर्मी का संकेत मिले तो दूर हटें और 100/112 पर फोन करें।संभव हो तो सुरक्षित दूरी से वाहन नंबर नोट कर लें और इधर-उधर न फैलाएँ।

ऑनलाइन अफवाहों से बचें। किसी अज्ञात स्रोत से मिली भयभीत करने वाली सूचना को आगे न बढ़ाएँ।आधिकारिक चैनलों की प्रतीक्षा करें। फर्जी वीडियो पुरानी फुटेज को नए घटनाक्रम का बताकर शेयर करने से संयम रखें।यह स्थिति और बिगाड़ता है।

अपने आस-पास के लोगों का ध्यान रखें।बुजुर्ग, बच्चे और विकलांग साथियों की सहायता प्राथमिकता दें। पहचान पत्र साथ रखें और वोटर्स कार्ड/मतदाता पहचान के संबंध में स्थानीय चुनाव अधिकारियों के निर्देश मानें।सेना-पुलिस-खुफिया के Subh तकनीकी और प्रचालनिक ल सुझाव ,सारांश किराये के कमरे आरक्षणों की बैक-एंड जाँच, टैक्सी क्रूज़बुकिंग रिकॉर्ड, पेट्रोल पम्प के CCTV और टोल प्लाजा के नंबर प्लेट रीडिंग को इकट्ठा करना चाहिए।राज्य-स्तरीय हॉटलाइन जो चुनाव से जुड़े जिलों के SPs और डीजीपी से सीधे जुड़ा हो। ध्यान दें।ऊपर के तकनीकी कदम सामान्य सुरक्षात्मक उपाय हैं। किसी को भी गाइड करने का उद्देश्य नकारात्मक होगा तो विवरण सीमित रखा गया है। मीडिया को इस वक्त शांत, सत्य-आधारित और जिम्मेदार रिपोर्टिंग करनी चाहि।ये निराधारित सुर्खियाँ और सनसनीखेज अटकलें लोगों में भय बढ़ाती है। शवों घायलों की ग्राफिक तस्वीरें केवल तभी दिखाएँ जब आवश्यक हो और मानवीय भावना का ध्यान रखें।अफवाहों व संयमहीन विश्लेषणों पर स्पष्ट रेखांकित करें कि जांच जारी है।लाल किले पर हुआ धमाका न केवल एक सुरक्षा घटना है बल्कि यह लोकतंत्र और जनता के विश्वास पर हमला भी है।चाहे उसका मकसद चुनावी माहौल प्रभावित करना हो या किसी अन्य तरह की साजिश। सरकार और सुरक्षा-बलों का तुरंत और प्रभावी जवाब अनिवार्य है।पर उसी समय पारदर्शिता, इंटेलिजेंस समन्वय और न्यायिक प्रक्रिया का पालन भी जरूरी है। जनता का धैर्य, मीडिया की जिम्मेदारी और स्थानीय समुदायों की सतर्कता मिलकर इस घड़ी में सबसे बड़ा योगदान दे सकते हैं।

जांच स्वतंत्र व तेज़ हो। NIA NSG Forensics को पूर्ण सहयोग दें। बिहार समेत सभी चुनावी जिलों में सुरक्षा बढ़ाएँ और निर्वाचन आयोग के साथ समन्वय पक्का करें। अफवाहों को फैलने न दें। आधिकारिक चैनलों से ही सूचना लें और साझा करें। स्थानीय समुदाय और पुलिस के बीच नज़र-रखो तंत्र बनाएँ ताकि भविष्य में हमले के संकेत पहले पकड़े जा सकें।जव समय बेहद जरूरी है कि हम भय के बजाय सतर्कता ताकि मतदान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित न हो और दोषियों को कानूनी रूप से सजा मिल सके। सरकारों और सुरक्षा एजेंसियों को चाहिए कि वे निष्पक्ष, समयोचित और प्रभावी कार्रवाइयाँ करें ।और साथ ही सार्वजनिक संचार में सत्यता और संयम बनाए रखें।

सहजीवन की अवधारणा के विपरीत अव्यवहारिक है अदालत का फैसला

सदियों सहस्त्राब्दियों से इंसान और जीव पशु मवेशी सहजीवन जीते आए हैं। मानव ने अपनी ईश्वर प्रदत्त बौद्धिक क्षमता से पशुओं जीवों को अपने नियंत्रण में लेकर उनका उपयोग किया। सामान की आवाजाही से लेकर यात्रा परिवहन तक पशुओं पर आश्रित रहे कभी इंसान अपने भोजन को जुटाने के लिए शिकार के लिए कुत्तों का इस्तेमाल करते थे लेकिन समय के साथ साथ पशुओं के स्थान पर मशीनों का उपयोग विकसित हो गया। अब पशुओं जीवों की उपयोगिता कम हुयी तो अदालतें उनके लिए सीमाएं भी स्थापित करने लगी हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में देश में विभिन्न राज्यों में आवारा कुत्तों व अन्य मवेशियों की समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है, यह फैसला सार्वजनिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके साथ चुनौतियां, नैतिक वैज्ञानिक प्रश्न, कार्यान्वयन संबंधी रस्साकशी भी जुड़ी हुई हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में आवारा कुत्तों और पशुओं से बढ़ते खतरे पर संज्ञान लेते हुए कई अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन.वी. अंजारिया की पीठ ने यह स्पष्ट किया कि शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और खेल परिसरों जैसे सार्वजनिक स्थलों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर रोक लगाना अनिवार्य है। साथ ही, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राज्यों को आदेश दिया गया है कि राजमार्गों और एक्सप्रेसवे से आवारा मवेशियों और पशुओं को हटाया जाए। यह फैसला, एक ओर जहां नागरिक सुरक्षा और जनस्वास्थ्य की दृष्टि से स्वागत योग्य है, वहीं दूसरी ओर इसने पशुप्रेमियों और पशु-अधिकार संगठनों के बीच चिंता और असंतोष भी पैदा किया है। हालांकि देखा जाए तो आवारा कुत्तों-पशुओं से होने वाले हादसे, विशेष रूप से बच्चों पर हमले व रेबीज के बढ़ते मामलों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य, शहरी प्रबंधन और पशु कल्याण की चुनौतियों को एक नए सिरे से उजागर किया है। इस पृष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट द्वारा शुक्रवार को जारी सख्त निर्देशों का महत्व अनायास ही बढ़ गया है। इस आदेश का उद्देश्य निस्संदेह सराहनीय है। सार्वजनिक सुरक्षा चिंताओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता, कब-किसने, किस स्थान पर, कितनी बार आवारा जानवरों ने मानवों पर हमला किया है, उन घटनाओं में बच्चों और बुजुर्गों का सुरक्षा-झुकाव पहले से ही अधिक रहा है। ऐसे में संवेदनशील स्थानों पर जानवरों को उपस्थिति न सिर्फ भय का कारण है, बल्कि गंभीर स्वास्थ्य जोखिम जैसे रेबीज का प्रसारण का भी जरिया बन सकती है। अगर देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों में देशभर में कुतों के काटने के मामलों में भयावह वृद्धि हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में ही देशभर में लगभग 37 लाख से अधिक लोगों को कुत्तों ने काटा, जबकि रेबीज से हर वर्ष 18 से 20 हजार मौतें होती हैं। अकेले दिल्ली में पिछले वर्ष रेबीज से 54 लोगों की जान गई। ऐसे में यह स्पष्ट है कि यह केवल पशु अधिकार का नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा और स्वास्थ्य का गंभीर प्रश्न बन चुका है। शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों में बढ़ते हमले न केवल बच्चों और बुजुर्गों के लिए भय का कारण बने हैं, बल्कि संस्थागत कार्यप्रणाली को भी बाधित कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश कि ऐसे परिसरों को आठ सप्ताह के भीतर डॉग-फ्री जोन बनाया जाए, इसी बढ़ते संकट का जवाब है। इस आदेश के विरोध में पशु-अधिकार कार्यकर्ताओं और संगठनों ने भी मुखर प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी सांसद और पशुप्रेमी मेनका गांधी ने इस फैसले को व्यवहारिक रूप से असंभव बताया है। उनका तर्क है कि यदि किसी शहर से 5000 कुत्तों को हटाया भी जाए, तो उन्हें रखा कहां जाएगा? देश में फिलहाल इतने आश्रय गृह नहीं हैं, और न ही उनके संचालन के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति। पेटा इंडिया ने भी इसी तर्क के आधार पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का विरोध किया है। उनका मानना है कि यह फैसला पशुओं के साथ क्रूरता को बढ़ावा देगा और कैच एंड कन्फाइन नीति लंबे समय में समाधान नहीं है। विशेषज्ञों की भी राय माने तो शेल्टर होम्स का निर्माण, संचालन, रख-रखाव संसाधन-गहन होगा। अनुमान है कि बड़े पैमाने पर कुत्तों को शेल्टर में स्थानांतरित करना भौतिक रूप से कठिन है। पशु कल्याण के दृष्टिकोण से यह स्पष्ट नहीं है कि क्या पर्याप्त शेल्टर लॉजिस्टिक तैयार हैं और वहां जाकर कुत्तों के स्वास्थ्य, देखभाल, मानदंड ठीक से बचे रहेंगे कि नहीं इस पर चिंताएं उठ रही हैं। जिसमेंपशु-भोजन, सामुदायिक देखभाल, पड़ोसियों द्वारा खिलाने-पानी देने आदि शामिल हैं, अपनी जड़ों में गहरी हैं। यदि इसे अचानक खत्म किया गया तो प्रतिरोध, हिंसा, अनुकूल व्यवहार में गिरावट संभावित है। इसलिए इस आदेश को मानव सुरक्षा बनाम पशु कल्याण की द्वंद्वात्मक विमर्श में देखा जा सकता है। दोनों ही दृष्टिकोण अपनी-अपनी जगह से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि हम मानव जीवन, विशेष रूप से बच्चों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हैं, तो निःसंदेह यह कदम जायज ठहरता है। लेकिन अगर हम पशुओं के अधिकार हक, उनकी सामाजिक पारिस्थितिकी तथा मानवीय सहयोग-व्यवस्थाओं को भी महत्व देते हैं, तो हमें यह देखना होगा कि समाधान सख्ती के साथ-साथ संयम और दीर्घकालीन रणनीति पर आधारित हो। मगर यह बात तय है कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को केवल पशुओं के खिलाफ कदम समझना भूल होगी। यह कदम मानव सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। अदालत ने यह भी सुनिश्चित किया है कि जो भी कुत्ते पकड़े जाएं, उनका बंध्याकरण, टीकाकरण और देखभाल पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के अनुरूप ही किया जाए। इसका मतलब है कि अदालत ने हत्या या उन्मूलन नहीं, वल्कि प्रबंधन की दिशा में संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है। परंतु इसके साथ यह भी सच है कि इस आदेश को लागू करने के लिए जिस प्रशासनिक, वित्तीय और तकनीकी तैयारी की जरूरत है, वह फिलहाल राज्यों के पास नहीं है। आवारा कुत्तों और मवेशियों की समस्या केवल प्रशासनिक विफलता का नतीजा नहीं, बल्कि मानव विस्तार की कीमत है। इंसानी बस्तियों के फैलाव ने जंगलों, चारागाहों और प्राकृतिक आवासों को सिकोड़ दिया है। इसके चलते न केवल वन्यजीव, बल्कि पालतू पशु भी विस्थापित हुए हैं। कई शहरों में ठोस कचरे के ढेर और खुले नालों ने कुत्तों के लिए कृत्रिम आवास तैयार कर दिए हैं। ऐसे में आवारा पशुओं का व्यवहार भी आक्रामक हुआ है यह उनका स्वभाविक नहीं, बल्कि प्रतिक्रिया जन्य व्यवहार है। इसलिए समस्या का स्थायी समाधान तभी संभव है, जब इसे केवल सुरक्षा के नहीं, वल्कि पारिस्थितिक संतुलन के दृष्टिकोण से देखा जाए। भारत के लिए यह समय एक समग्र नीति पर पुनर्विचार का है। केवल पकड़ने और हटाने की रणनीति टिकाऊ नहीं होगी। कुछ व्यावहारिक कदम इस दिशा में उठाए जा सकते हैं कि प्रत्येक जिले में कम-से-कम एक उब्ब मानक वाला पशु आश्रय गृष्ठ स्थापित किया जाए, जिसमें चिकित्सा सुविधा और प्रशिक्षित स्टाफ हो। कुत्तों को नियंत्रित स्थानों पर नियमित भोजन और पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए, ताकि वे संवेदनशील परिसरों में न घुसें। देश में केवल 30 प्रतिशत कुत्तों का ही टीकाकरण हुआ है। इस अनुपात को 90 प्रतिशत तक पहुंचाना आवश्यक है। नागरिकों को यह सिखाना कि कुत्तों के प्रति सहानुभूति के साथ व्यवहार करते हुए भी उनकी आक्रामकता से कैसे बचा जाए। नगर निकायों को अपने-अपने क्षेत्रों में कुत्तों की सटीक जनगणना करनी चाहिए, ताकि संसाधनों की सही योजना बन सके।

बालिकाओं की सुरक्षा के लिए 'मुस्कान' अभियान

पुलिस अधीक्षक बोले- अनजान रिक्वेस्ट से रहें अलर्ट, साइबर ठग बना रहे फर्जी अकाउंट

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। शासकीय तुलसी महाविद्यालय में बुधवार को 'मुस्कान विशेष अभियान' आयोजित किया गया। इस अभियान में लगभग 450 छात्राओं को उनकी सुरक्षा से संबंधित कानूनी प्रावधानों और विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को बालिकाओं की सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों जैसे पॉक्सो एक्ट, किशोर न्याय अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के बारे में बताया गया। उन्हें डायल 112 (आपातकालीन सेवा), नेशनल चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, महिला हेल्पलाइन नंबर 1091 और साइबर अपराध के लिए नेशनल हेल्पलाइन नंबर 1930 की भी जानकारी दी गई।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर, मोती उर रहमान ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग सभी के लिए आवश्यक हो गया है, जिसके कारण कई लोग साइबर अपराधों का शिकार हो रहे हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम और फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाकर अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने, इंटरनेट बैंकिंग से संबंधित ओटीपी मांगकर धोखाधड़ी करने, एटीएम क्लोनिंग, लॉटरी या नौकरी का लालच देकर ऑनलाइन धोखाधड़ी करने और डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर ब्लैकमेल करने जैसे विभिन्न साइबर अपराधों के बारे में बताया।

पुलिस अधीक्षक ने छात्राओं को इन साइबर अपराधों से बचने के लिए स्वयं की सजगता को सबसे बड़ी सुरक्षा बताया। उन्होंने सलाह दी कि सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी (मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, पारिवारिक विवरण) साझा न करें। फेसबुक अकाउंट में 'टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन' सक्रिय रखें और प्राइवेसी सेटिंग्स को लागू करें। साथ ही, अनजान मोबाइल नंबरों से बातचीत और फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने से बचें और किसी भी लालच में आकर ओटीपी साझा न करें।

छात्राओं को यह भी निर्देश दिया गया कि किसी भी प्रकार की घटना होने पर तत्काल अपने माता-पिता और शिक्षकों को सूचित करें, और नजदीकी पुलिस थाने या पुलिस अधीक्षक कार्यालय में स्थित साइबर सेल में शिकायत अवश्य दर्ज कराएं।

रेलवे स्टेशन पर 3 घंटे से नशे में पड़ा कॉन्स्टेबल, उठाने पर लोगों को दीं गालियां; आईडी कार्ड में शिवपुरी में पदस्थ लिखा

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। रेलवे स्टेशन के पास बुधवार दोपहर 1 बजे से एक पुलिस कॉन्स्टेबल शराब के नशे में पड़ा मिला। उसकी पहचान मध्य प्रदेश पुलिस विभाग के आईडी कार्ड से अरविंद इक्का के रूप में हुई है। शाम के साढ़े 4 बजे तक पुलिसकर्मी स्टेशन के बाहर सो रहा है।

यह घटना अनूपपुर रेलवे स्टेशन के मुख्य गेट के सामने हुई। कॉन्स्टेबल पूरी तरह से नशे की हालत में लेटा हुआ था। जब आसपास के लोगों ने उसे उठाने का प्रयास किया, तो उसने उनके साथ गाली-गलौज की।

शिवपुरी में पदस्थ बताया जा रहा आरक्षक: कॉन्स्टेबल के पास से मध्य प्रदेश पुलिस विभाग का एक पहचान पत्र मिला। इस कार्ड पर उसका नाम अरविंद इक्का दर्ज है। पहचान पत्र के अनुसार, वह सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस कमिश्नर 18 बटालियन एमपीएसएएफ, शिवपुरी, मध्य प्रदेश से संबंधित है। घटना की सूचना मिलने तक वह अभी भी रेलवे स्टेशन अनूपपुर के सामने उसी हालत में लेटा हुआ था।

अब 9:30 बजे से लगेंगी कक्षाएं, कड़ाके की ठंड के कारण बदला स्कूलों का समय

अनूपपुर। जिले में कड़ाके की ठंड के चलते स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। कलेक्टर ने विद्यार्थियों और अभिभावकों की मांग पर यह निर्णय लिया है। अब जिले के सभी स्कूल सुबह 9:30 बजे से संचालित होंगे। जिले में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है, जिसके कारण कड़ाके की ठंड पड़ रही है। राजधानी भोपाल समेत राज्य के कई शहरों में भी सर्दी का असर देखा जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी तुलाराम मार्को ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। आदेश के मुताबिक, जिले में संचालित सभी शासकीय, अशासकीय, मान्यता प्राप्त सीबीएसई, आईसीएसई और नवोदय विद्यालयों की प्रथम पाली का समय बदला गया है।

राजीव गांधी विश्वविद्यालय में 'नवसाक्षर लेखन कार्यशाला' का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, दोईमुख (निप्र)। अरुणाचल प्रदेश में पहली बार नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'नवसाक्षर लेखन कार्यशाला' का शुभारंभ आज राजीव गांधी विश्वविद्यालय, दोईमुख के हिंदी विभाग के सहयोग से हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जयदेव साहू तथा एनबीटी के मुख्य संपादक एवं संयुक्त निदेशक कुमार विक्रम ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग के सभागार में हुआ। उद्घाटन सत्र का संचालन कार्यशाला प्रभारी डॉ. ललित किशोर मंडोरा ने किया।

अपने उद्घाटन संबोधन में कुलपति प्रो. साहू ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश हिंदी साहित्य में लगातार प्रगति कर रहा है और यह आयोजन प्रदेश में पठन-पाठन की संस्कृति को और सशक्त करेगा। कुमार विक्रम ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य सरल भाषा में ऐसी कहानियाँ रचना है जो नवसाक्षरों को प्रेरित करें और पुनः निरक्षरता न आने दें।

हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. जोराम यालम नबाम ने एनबीटी का आभार व्यक्त किया, वहीं प्रो. ओकेन लेगो ने कहा कि यह कार्यशाला स्थानीय प्रतिभाओं को निखारने का अवसर प्रदान करेगी।

वरिष्ठ साहित्यकार गिरीश पंकज ने बताया कि कार्यशाला में ग्रामीण जीवन, पर्यावरण और सामाजिक विषयों पर कहानी लेखन की दिशा में सृजनात्मक चर्चा की जाएगी।

दिल्ली ब्लास्ट पीड़ितों को चिरमिरी में श्रद्धांजलि, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोमबत्तियां जलाकर संवेदना व्यक्त की

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। चिरमिरी में दिल्ली ब्लास्ट के मृतकों की स्मृति में कांग्रेस पार्टी ने एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस ब्लास्ट में जान गंवाने वालों को याद करते हुए 11 नवंबर को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोमबत्तियां जलाईं और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में, सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवारों के लिए शक्ति की प्रार्थना की।

ऐसे कृत्यों के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान: युवा कांग्रेस नेता शिवांश जैन ने इस अवसर पर कहा कि देश में ऐसी घटनाएं दुखद हैं। उन्होंने सभी देशवासियों से ऐसे कृत्यों के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने घटना को दुखद बताया। उन्होंने मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिजनों को दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की। श्रीवास्तव ने कहा कि देश के सबसे सुरक्षित स्थानों में से एक पर इस प्रकार की घटना चिंताजनक है।

इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव सुभाष कश्यप, नेता विपक्ष गायत्री बिरहा, डमरू रेड्डी, शंकर राव, उमाशंकर एल्बमकर, रवि बिरहा, रामप्यारे चौहान, शंभू ओझा, बड़कू भैया, राणा दास, दुबे जी, शाहीन अदिति पाराशर, राम जी यादव, राजेंद्र गुप्ता, अशरफ अली, शुभम सलूजा, विश्वजीत और अभिषेक क्रांति चौहान प्रमुख थे।

चिरमिरी में नाली के गंदे पानी को साफ करने में लगे एसटीपी प्लांट पूर्णत: फ्लॉप- डोमरु रेड्डी

जनदर्शन में कलेक्टर से मुलाकात कर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने हकीकत से कराया वाकिफ

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (निप्र)। एसईसीएल द्वारा जनता के टैक्स के पैसों की बर्बादी का एक बड़ा उदाहरण चिरमिरी क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। यहाँ गोदरीपारा, हल्दीबाड़ी स्थित एनसीपीएच कॉलरी एवं चिरमिरी कॉलरी बरतुंगा के कोठारी क्षेत्र में कॉलोनियों से निकलने वाले गंदे पानी को ट्रीट कर साफ पानी में बदलने के लिए लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किए गए तीनों एसबीआर सिस्टम (स्ब्रक्क प्लांट) पूरी तरह से फेल साबित हुए हैं।

सूत्रों के अनुसार, प्लांट की वास्तविक स्थिति देखने आने वाले उच्चाधिकारियों को भ्रमित करने के लिए बोरवेल के साफ पानी से कृत्रिम बहाव दिखाकर यह जताया जा रहा है कि प्लांट चालू है। इसी फर्जीवाड़े का खुलासा करने पूर्व महापौर एवं जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष के. डोमरु रेड्डी ने कांग्रेस नेताओं के साथ जिला कलेक्टर से जनदर्शन में मुलाकात की और इस पूरे मामले की उचित जांच व कार्यवाही की मांग की है।

रेड्डी ने कहा कि यह मामला सरकार की योजनाओं में कागजी खानापूर्ति और कमीशनखोरी का जीवंत उदाहरण है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों के बाद पर्यावरण संरक्षण के नाम पर यह योजना शुरू की गई थी, लेकिन एसईसीएल ने संचालन से पहले ही 12 करोड़ रुपये खर्च कर दिए, परिणाम शून्य रहा।

जानकारी के मुताबिक, प्लांट में नालियों का कनेक्शन ही नहीं जोड़ा गया, जिसके चलते उसमें एक लीटर भी गंदा पानी नहीं पहुंचता। परिणामस्वरूप फिल्ट्रेशन प्रक्रिया ठप है और प्लांट 'सफेद हाथी' बनकर खड़ा है।

डोमरु रेड्डी ने आरोप लगाया कि अधूरा प्लांट तैयार होने के बावजूद पूरा भुगतान कर दिया गया, और अब मेंटेनेंस के नाम पर भी भुगतान जारी है। निर्माण एजेंसी द्वारा एसईसीएल कर्मचारियों को संचालन संबंधी प्रशिक्षण देने की शर्त भी पूरी नहीं की गई है।

एकता के पथ पर निकलेगा जिला

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर 10 किमी लंबी भव्य पदयात्रा, सांसद होंगे मुख्य अतिथि

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर जिले में 14 नवम्बर को एकता, स्वच्छता और राष्ट्र निर्माण का संदेश देने वाली भव्य पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों की व्यापक सहभागिता होगी। पदयात्रा का शुभारंभ खोंगापानी स्थित सामुदायिक भवन से होगा, जो आमाखेरवा परेड ग्राउंड तक लगभग 10 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। प्रारंभ में सरदार पटेल जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा।

यात्रा मार्ग और विश्राम स्थल: प्रथम विश्राम स्थल - जीएम ऑफिस लेदरी (4 कि.मी.) यहाँ नुक्कड़ नाटक और जनसभा के माध्यम से राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया जाएगा।

द्वितीय विश्राम स्थल - सरस्वती शिशु मंदिर झगराखांड (2 कि.मी.) सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और देशभक्ति गीतों के माध्यम से सरदार पटेल के विचारों का प्रसार किया जाएगा।

तृतीय विश्राम स्थल - खेड़िया टॉकीज तिराहा (1 कि.मी.) पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किया जाएगा।

अंतिम पड़ाव आमाखेरवा परेड ग्राउंड में होगा, जहाँ अतिथियों के उद्बोधन, राष्ट्रीय एकता शपथ और समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

सुरक्षा एवं प्रशासनिक तैयारियां: कार्यक्रम की सुचारू व्यवस्था हेतु जिला प्रशासन द्वारा विशेष तैयारियां की गई हैं। पूरे मार्ग पर पुलिस बल, स्वास्थ्य दल और स्वच्छता कर्मियों की तैनाती रहेगी। यातायात व्यवस्था के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। नगरपालिका द्वारा मार्ग की सफाई, सजावट और पेयजल की व्यवस्था भी की जा रही है।

कार्यक्रम का उद्देश्य: यह पदयात्रा सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण, एकता और सेवा के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम बनेगी। उनके जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेकर समाज में समरसता, अनुशासन और सहयोग की भावना को सुदृढ़ किया जाएगा।

कोटपा एक्ट के तहत तंबाकू विक्रय पर कार्रवाई - 7 दुकानों पर जुर्माना

एमसीबी। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा बुधवार को मनेंद्रगढ़ क्षेत्र में कोटपा एक्ट 2003 के तहत व्यापक जांच अभियान चलाया गया। जांच दल ने जे.के.डी. रोड स्थित दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, ब्लॉसम स्कूल, एसपीएम मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, स्वामी विवेकानंद पीजी कॉलेज एवं सेंट जोसेफ स्कूल झगराखंड परिक्षेत्र में संचालित 16 पान ठेला, गुमटी, किराना दुकान, होटल एवं रेस्टोरेंट्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कोटपा एक्ट की धारा 4/6 का उल्लंघन पाए जाने पर 7 दुकानों से कुल 1100 का जुर्माना वसूला गया।

एएनएम संघ ने किया ई-अटेंडेंस का विरोध, बोले- फील्ड में घूमना पड़ता है; उपस्थिति दर्ज कर पाना मुश्किल

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। संयुक्त एएनएम एसोसिएसन (संविदा-नियमित, कर्मचारी संघ) ने आज मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) अनूपपुर आरके वर्मा को ज्ञापन सौंपा। इसमें एएनएम कार्यकर्ताओं ने ई-अटेंडेंस से मुक्ति, वेतन वृद्धि और अन्य विभिन्न मांगों को लेकर विरोध जताया। ज्ञापन में कहा गया कि एएनएम एक फील्ड कर्मचारी हैं, जिन्हें 2-4 गांवों में भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाएं देनी होती हैं। कई क्षेत्र नेटवर्क विहीन होते हैं, ऐसे में एसएचसी (सब हेल्थ सेंटर) पर उपस्थिति दर्ज कर क्षेत्र में जाना और वापस आकर उपस्थिति बंद करना संभव नहीं है। मैदानी क्षेत्र में आवागमन की असुविधा और कार्य की कोई निश्चित समय सीमा न होने के कारण एएनएम को सार्थक और ई-अटेंडेंस से मुक्त रखा जाए।

एसोसिएसन ने समयमान क्रमोन्नति, एरियर, महंगाई भत्ता (डीए) और हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) का शीघ्र भुगतान करने की मांग की। उन्होंने बताया कि एचआरए शासन की व्यवस्था है और अन्य जिलों में एएनएम को यह मिल रहा है।

कार्यकर्ताओं ने यह भी बताया कि रिक्त एसएचसी का कार्य भी अन्य क्षेत्र की एएनएम से करवाया जा रहा है, जबकि भोपाल के पत्र क्रमांक/एन/एच/एम माह स्वास्थ्य 2025/12389, 14 फरवरी 2025 के अनुसार सीएचओ (कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर) से टीकाकरण करवाया जाना चाहिए। आयुष्मान आरोग्यम मंदिर पर सीएचओ की पदस्थापना हुई है, जहां एनसीडी स्क्रीनिंग, सिकल सेल एनीमिया जांच, टीबीआईडी बनाना और टीबी स्क्रीनिंग जैसे कार्य सीएचओ को करने हैं। इन कार्यों की प्रोत्साहन राशि सीएचओ कैडर को दी जा रही है। एएनएम ने मांग की कि ये सभी कार्य सीएचओ कैडर से ही कराए जाएं। यदि सीएचओ पदस्थ नहीं हैं और एएनएम यह कार्य कर रही हैं, तो प्रोत्साहन राशि उन्हें दी जाए या कंप्यूटर ऑपरेटर से ऑनलाइन कार्य कराया जाए।

संविदा एएनएम के वेतन वृद्धि और समय पर भुगतान की मांग भी उठाई गई, क्योंकि वे नियमित कर्मचारियों के बराबर कार्य करती हैं। एसोसिएसन ने एएनएम को पुनः नर्सिंग कैडर में शामिल करने और ग्रेड-पे 2100 के स्थान पर 3200 करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि एएनएम कैडर 1950 का सबसे पुराना मैदानी कैडर है, लेकिन वर्तमान में उन पर कार्य दायित्व बहुत अधिक है, जिससे वे शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान हैं।

मनेंद्रगढ़ को एक और सौगात: खड़गवां की बरदर जलाशय योजना के नहर जीर्णोद्धार के लिए 3 करोड़ 52 लाख रूपए की मिली स्वीकृति

स्थानीय विधायक और कैबिनेट मंत्री ने मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ के स्थानीय विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल पर क्षेत्र को एक और सौगात मिली है। एमसीबी जिले के विकासखंड खड़गवां की बरदर जलाशय योजना के नहर का जीर्णोद्धार कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति जल संसाधन विभाग की तरफ से दी गयी है।

यह स्वीकृति 3 करोड़ 52 लाख रुपये की है। इस परियोजना के पूर्ण हो जाने से क्षेत्र की सिंचाई क्षमता बढ़कर 586 हेक्टेयर क्षेत्र तक पहुंच जाएगी। इससे क्षेत्र के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी और जल संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया है। वहीं मनेंद्रगढ़ की स्थानीय जनता ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए विधायक तथा कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रति आभार जताया है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के बाद कहा है कि नहर जीर्णोद्धार के कार्य से सिंचाई की क्षमता बढ़ेगी और क्षेत्र के किसानों को बेहतर फसलों के लिए एक नई दिशा मिलेगी।

महिला का शव फंदे पर लटका मिला, प्रताड़ना के आरोप

पिता बोले- बुलेट की मांग कर दामाद करता था बेटी से मारपीट, कार्रवाई की मांग

सागर, एजेंसी। सागर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पथरिया जाट गांव में मंगलवार को एक महिला ने अपने ही घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन घर पहुंचे तो महिला का शव फंदे पर झूल रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव का पंचनामा बनाया और पोस्टमॉर्टम कराया। शव को परिवार को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतका के मायके पक्ष के लोग घटनाक्रम की सूचना मिलते ही पथरिया पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला को ससुराल पक्ष की ओर से लंबे समय से प्रताड़ित किया जा रहा था। मायके वालों ने कंट्रोल रूम पहुंचकर शिकायत की और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। मृतका के पिता ने बताया कि उनकी बेटी की शादी करीब 9 साल पहले हुई थी। उनके दो बच्चे हैं। उन्होंने कहा कि दामाद आए दिन बेटी से मारपीट करता था। वह बुलेट गाड़ी मायके से लाने का बोलता था। दहेज की मांग और प्रताड़नाओं से परेशान होकर कुछ माह पहले बेटी को घर ले गया था। पिता ने बताया कि दामाद के बड़े भाई आए और भरोसा दिलाया कि आगे से मारपीट नहीं होगी। इसके बाद बेटी को वापस ससुराल भेज दिया गया। लेकिन कुछ समय बाद पुलिस को सूचना मिली कि महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। उन्होंने कहा कि बेटी के साथ मारपीट कर उसे फंदे पर लटकाया गया। ससुराल पक्ष के लोग लगातार प्रताड़ित करते थे। उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

धार की नाबालिग से इंदौर में रेप, बहला-फुसलाकर ले गया था; आरोपी गिरफ्तार

धार, एजेंसी। धार की एक नाबालिग लड़की से इंदौर में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी मोहित पिता सतीश धामड़ (20) ने लड़की को बहला-फुसलाकर अपहरण किया और इंदौर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ दुष्कर्म, अपहरण और पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

यह घटना 10 अक्टूबर की रात की है। कोतवाली थाना क्षेत्र की 16 वर्षीय पीड़िता के घर पर आरोपी मोहित का आना-जाना था। दोस्ती के बाद आरोपी ने फोन पर लड़की से बातचीत शुरू की और उसी रात उसे अपनी बुलेट गाड़ी से इंदौर ले गया। इंदौर में एक कमरे में उसने लड़की के साथ दुष्कर्म किया। परिजनों द्वारा लड़की की तलाश शुरू करने और लगातार फोन आने पर आरोपी मोहित ही लड़की को वापस धार लेकर आया। उसने लड़की को घटना के बारे में किसी को न बताने की धमकी भी दी थी। पुलिस ने शिकायत के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

गिफ्ट का झांसा देकर महिला से 7 लाख की ठगी

नर्मदापुरम में सोशल मीडिया पर हुई थी दोस्ती, ज्वेलरी बेचकर भेजे थे पैसे

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम पथरौटा गांव की एक विवाहित महिला से व्हाट्सएप पर दोस्ती कर ठगों ने 7 लाख रुपए हड़प लिए। ठगों ने खुद को लंदन में रहने वाला बताया और महंगे गिफ्ट व ज्वेलरी भेजने का लालच दिया। महिला ने भरोसा कर 4 महीने में बार-बार रकम ट्रांसफर कर दी। पुलिस ने अब दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पथरौटा थाना प्रभारी संजीव सिंह पवार के अनुसार, महिला को 15 जुलाई 2025 को व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से मैसेज और कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को विपिन गुप्ता बताया। बाद में उसने अपने एक मित्र विकास ठाकुर का जिक्र किया, जो लंदन में रहने की बात कहता था। दोनों से लगातार बातचीत के बाद महिला को भरोसा हो गया। ठगों ने कहा कि वे लंदन से उसके लिए महंगे गिफ्ट और ज्वेलरी भेजेंगे। इसके बाद कभी कस्टम ड्यूटी, कभी चार्ज और टैक्स के नाम पर पैसे मांगे गए।

गहने बेचकर और गिरवी रखकर भेजे पैसे: महिला लालच में आ गई और चार महीने में बार-बार रुपए ट्रांसफर करती रही। उसने अपने घर की ज्वेलरी बेच दी और बैंक में गिरवी रखकर भी रकम भेजी। जब गिफ्ट नहीं पहुंचे तो उसने परिवार को बताया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच के बाद विपिन गुप्ता और विकास ठाकुर के खिलाफ ठगी का

केस दर्ज किया गया है।

अनजान लिंक और कॉल से बचें: साइबर सेल प्रभारी पदम सिंह मौर्य ने बताया कि रोजाना ऐसे फ्रॉड के मामले सामने आ रहे हैं। साइबर ठग बड़े स्तर पर लोगों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी अनजान कॉल या व्हाट्सएप मैसेज पर भरोसा न करें। डॉट एपीके फाइल या संदिग्ध लिंक ओपन न करें। फ्री या सस्ते ऑफर पर क्लिक करना ठगी का पहला कदम होता है। साइबर सेल प्रभारी पदम सिंह मौर्य ने बताया कि रोजाना ऐसे फ्रॉड के मामले सामने आ रहे हैं। साइबर ठग बड़े स्तर पर लोगों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी अनजान कॉल या व्हाट्सएप मैसेज पर भरोसा न करें। डॉट एपीके फाइल या संदिग्ध लिंक ओपन न करें। फ्री या सस्ते ऑफर पर क्लिक करना ठगी का पहला कदम होता है।

सीहोर में नवविवाहित जोड़े ने सुरक्षा के लिए धरना दिया

एसपी कार्यालय में शिकायत की; वधू पक्ष पर धमकियों और जानलेवा हमले का आरोप

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले के अहमदपुर थाना क्षेत्र का एक नवविवाहित जोड़ा अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर एसपी कार्यालय पहुंचा। उचित आश्वासन न मिलने पर वे कार्यालय में ही धरने पर बैठ गए। पुलिस की समझाइश के बाद जोड़े ने अपना आवेदन दिया और सुरक्षा का आश्वासन मिलने के बाद घर लौटे। जानकारी के अनुसार, अहमदपुर के बाजार गांव निवासी प्रॉपर्टी डीलर योगेश शर्मा ने बैरसिया के गुनगा थाना अंतर्गत कालरा गांव की अंजलि शर्मा से 5 मई को आर्य समाज मंदिर में प्रेम विवाह किया था। इस विवाह से वधू पक्ष के लोग नाराज हैं। दूल्हे योगेश शर्मा का आरोप है कि वधू पक्ष लगातार उन पर दबाव बना रहा है और उन्हें तरह-तरह से प्रताड़ित कर रहा है।

योगेश ने बताया कि ससुराल पक्ष के लगभग आधा दर्जन लोग हथियारों के साथ आए थे और 9 सितंबर को उनके चाचा महेंद्र शर्मा

पर जानलेवा हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। योगेश का आरोप है कि इस वारदात की एफआईआर दर्ज होने के बावजूद पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। इस कारण आरोपी लगातार उनका पीछा कर जान से मारने की कोशिश कर रहे हैं। इसी मामले में वर-वधू ने एसपी कार्यालय पहुंचकर अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

इधर, इसी केस से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया, जो 28 सितंबर का बताया जा रहा है। जब कलारा गांव थाना भोपाल क्षेत्र में आरोपियों को पकड़ने अहमदपुर पुलिस आरोपियों के घर पहुंची थी। तब आरोपी पक्ष ने पुलिस जांच में सहयोग नहीं किया था।

बालाघाट में मिली लाश सीए के ड्राइवर की निकली

एक दिन से लापता था, रेलवे ट्रैक पर दो टुकड़ों में मिला

बालाघाट, एजेंसी। बालाघाट में रेलवे ट्रैक पर मंगलवार देर शाम मिले एक शव की पहचान हो गई है। यह शव भरवेली निवासी सुरेश पिता बुधराम कावरे का था, जो मंगलवार शाम से लापता था। परिजनों की ओर से सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करने के बाद शव की पहचान संभव हो पाई। बुधवार को कोतवाली पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। क्षेत्र के युवा व्यवसायी अनिल बिसेन ने बताया कि मृतक सुरेश बजरंग तालाब के पास रहता था और बालाघाट में कार्यरत एक सीए के पास वाहन चालक के रूप में काम करता था। वह मंगलवार दोपहर से लापता था। सुरेश अपने परिवार में तीसरे नंबर का बेटा था, उसके एक बड़ा भाई और छोटी बहनें हैं। कोतवाली पुलिस ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। गौरतलब है कि सुरेश का शव मंगलवार देर शाम बालाघाट-कटंगी रेलवे ट्रैक पर बैहर रोड रेलवे क्रॉसिंग के आगे दो टुकड़ों में मिला था। रेलवे पुलिस के अधिकार क्षेत्र से बाहर होने के कारण, कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल से शव बरामद कर जिला अस्पताल में रखवाया था, जहां बुधवार सुबह उसका पोस्टमार्टम किया गया।

1136 केंद्रों पर 10.53 लाख मतदाताओं को गणना प्रारूप वितरित

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाताओं को गणना प्रारूप वितरित किए जा रहे हैं। यह कार्य जिले के 1136 मतदान केंद्रों पर 10 लाख 53 हजार 641 मतदाताओं तक पहुंचाया जाएगा। यह अभियान 4 नवंबर को शुरू हुआ था और 4 दिसंबर तक जारी रहेगा। अभियान की प्रगति का निरीक्षण करने के लिए सीतामऊ और सुवासरा क्षेत्र में अनुविभागीय अधिकारी शिवानी गर्ग ने मंगलवार को फील्ड में जाकर गणना प्रारूपों का वितरण किया। जिला निर्वाचन अधिकारी, मंदसौर ने सभी रिटर्निंग अधिकारियों (आरओ) और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्हें अपने क्षेत्र के नियुक्त बीएलओ की प्रतिदिन समीक्षा करने और आयोग द्वारा दिए गए गणना प्रारूपों को निर्धारित समय-सीमा में मतदाताओं तक पहुंचाना सुनिश्चित करने को कहा गया है। गणना प्रारूपों की पर्याप्त मात्रा जिला मुख्यालय से सभी विधानसभा मुख्यालयों तक पहुंचाई जा चुकी है। इसके बाद इन्हें संबंधित बीएलओ को वितरित किया गया है, ताकि प्रत्येक मतदाता तक यह प्रारूप समय पर पहुंच सके। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाना है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि प्रत्येक पात्र मतदाता आगामी चुनावों में अपने मताधिकार का सुचारू रूप से उपयोग कर सके।

गर्भाशय ऑपरेशन के दौरान महिला की मौत

बुरहानपुर में परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाया पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी कराई गई

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर के लालबाग रोड स्थित हकीमी हॉस्पिटल में मंगलवार शाम गर्भाशय के ऑपरेशन के दौरान 23 वर्षीय महिला की मौत हो गई। परिजनों ने घटना के बाद अस्पताल में जमकर हंगामा किया। बुधवार सुबह जिला अस्पताल में महिला का पोस्टमॉर्टम कराया गया, जिसमें पुलिस ने वीडियोग्राफी कर पूरी प्रक्रिया दर्ज की। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। जानकारी के अनुसार, वैष्णवी नागेश चौहान का ऑपरेशन मंगलवार शाम 6 बजे हकीमी हॉस्पिटल में किया जा रहा था। ऑपरेशन के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजन तत्काल अस्पताल में जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उन्हें समझाया और जांच व कार्रवाई का आश्वासन दिया। पोस्टमॉर्टम बुधवार सुबह बुरहानपुर जिला अस्पताल में किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में परिजन, रिश्तेदार और जनप्रतिनिधि मौजूद थे। पुलिस ने महिला अधिकारी की मौजूदगी में डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमॉर्टम कराया और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी करवाई। अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

जानलेवा हमला करने वाले को आजीवन कारावास, दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल की सजा, रतलाम कोर्ट के दो अहम फैसले

रतलाम, एजेंसी। रतलाम कोर्ट ने मंगलवार को दो अलग-अलग मामलों में फैसला सुनाया है। नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 10 साल व लड़की को जबरन घर में रखने वाले को 3 साल की सजा और चाकू से हमला करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास की सजा दी गई है। जिला लोक अभियोजन अधिकारी आशा शाक्यवार ने बताया कि 10 जनवरी 2023 को 10वीं में पढ़ रही नाबालिग पीड़िता ने सरवन थाने में रिपोर्ट कराई थी। बताया था कि लालू पिता लक्ष्मण डिंडोर हमारे गांव में मजदूरी के लिए आता था। उससे मेरी दोस्ती हो गई। 15 नवंबर 2022 को लालू ने मुझे उसके घर पर मिलने बुलाया। उस दिन उसके घर पर कोई नहीं था। उसने मेरे साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए।

पीड़िता ने आगे बताया कि दरअसल घर पर विवाद होने पर मैं 1 दिसंबर 2022 को घर से निकलकर बस से सैलाना चली गई थी। सैलाना में चाय की दुकान पर मुझे एक अंकल मिले, जिन्होंने मुझे अपना नाम राधेश्याम जाट बताते हुए मेरे रहने की व्यवस्था करने का कहकर अपने घर ले गए। वहां उनकी पत्नी भी थी। राधेश्याम ने कहा कि कोई पूछे तो राधाबाई की बहन की बेटी हूं, यह बता देना। अगर ऐसा नहीं बोला तो जान से खत्म कर देंगे। मैं डर गई और कुछ दिन उनके साथ रही और एक दिन वहां से भाग निकली। फिर सैलाना से लालू के घर पहुंच गई। लालू के घरवाले मजदूरी करने बाहर गए थे तो मैं उसके मकान में ही रही। मेरे परिवार को पता चला तो वो मुझे लेने आए।

दोनों के खिलाफ केस किया दर्ज: नाबालिग की रिपोर्ट पर पुलिस ने लालू (21) पिता लक्ष्मण डिंडोर निवासी कुंडा (सैलाना) व राधेश्याम (42) पिता भागीरथ जाट निवासी खुटपाला (धार) हाल मुकाम सैलाना के खिलाफ केस दर्ज किया था। कोर्ट ने रैप करने वाले लालू डिंडोर को 10 साल सश्रम कारावास व राधेश्याम जाट को 3 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। फैसला विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट के न्यायाधीश राकेश कुमार शर्मा ने दिया है।

जानलेवा हमला करने वाले को आजीवन कारावास: एक अन्य दूसरे मामले में कोर्ट ने चाकू मारकर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास की सजा दी है। साथ ही अर्थदंड भी लगाया है। फैसला विशेष न्यायाधीश रवींद्र प्रताप चुण्डावत ने दिया है।

जिला अभियोजन अधिकारी आशा शाक्यवार ने बताया कि 5 मई 2019 को राजा दोस्त आशीष के साथ उसकी बहन करूणा की शादी की पत्रिका देने जा रहा था। अरिहंत कॉलेज के पास बरबड़ रोड पर उसका दोस्त अमनसिंह उर्फ संतोष सिंह (26) पिता भगवानसिंह जादौन निवासी जवाहर नगर हाल मुकाम शक्तिनगर मिला। उसने राजा से कहा कि आजकल तू मेरे साथ नहीं रहता है और बात भी नहीं करता है। राजा ने कहा कि मेरी मर्जी मैं किसी से भी बात करूं। इस पर अमन ने हाथापाई शुरू कर दी। इसी दौरान अमन ने चाकू निकालकर राजा को पेट के पास मार दिया। बचाव करने आशीष आया तो उसे भी चाकू मारा। इसके बाद अमन जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। घटना के बाद राजा और आशीष को उसका भाई दीपक एवं दोस्त उपचार के लिये अस्पताल लाए।

खेत में काम कर रहे ग्रामीणों पर तेंदुए का हमला, दो लोग घायल

दमोह के सोजना गांव की घटना

दमोह, एजेंसी। दमोह जिले के सोजना गांव में बुधवार सुबह खेत में काम कर रहे दो ग्रामीणों पर तेंदुए ने हमला कर दिया। करीब 11:30 बजे हुए इस हमले में दोनों गंभीर घायल हो गए। दोनों को तत्काल पटेरा अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद वन विभाग की टीम तेंदुए को पकड़ने के प्रयास कर रही है।

खेत में काम करते समय हुआ हमला: घायल ग्रामीण नारायण लोधी ने बताया कि वह बुधवार सुबह अपने खेत में काम कर रहा था, तभी अचानक पीछे से तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। नारायण के चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के किसान मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक तेंदुआ पास के खेत की ओर भाग गया।

वहीं कुछ ही दूरी पर भल्लू लोधी (50) अपने खेत में काम कर रहे थे। तेंदुआ ने वहां पहुंचकर उन पर भी हमला कर दिया। इस दौरान आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया, जिसके बाद तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। गांव के लोगों ने घायलों को तुरंत पटेरा अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने बताया कि दोनों की हालत खतरे से बाहर है और उनका उपचार जारी है।

पं. धीरेंद्र शास्त्री ने दिल्ली ब्लास्ट की कड़ी निंदा की

बोले- सनातनी भयभीत नहीं होंगे, यात्रा जारी रहेगी; सुरक्षा बढ़ाई गई

छतरपुर, एजेंसी। हरियाणा के पलवल में मंगलवार को सनातन एकता पदयात्रा के दौरान बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दिल्ली में हुए ब्लास्ट की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि सनातनियों को कोई भयभीत नहीं कर सकता और पदयात्रा अडिग रहेगी। शास्त्री ने समाज में कट्टर मानसिकता फैलाने वाले तत्वों की आलोचना करते हुए कहा कि वे लगातार तनाव पैदा कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि सनातन समाज सदैव संयम और साहस के साथ खड़ा है। उनका उद्देश्य विश्वभर में हिंदू समाज की सुरक्षा और संगठन को मजबूत करना है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि जब तक उनके शरीर में प्राण हैं, यह यात्रा जारी रहेगी और सनातन धर्म के लिए कार्य चलता रहेगा। पदयात्रा के दौरान वे रास्ते में ग्रामीणों के साथ जमीन पर बैठकर चौपाल लगा रहे हैं और भीड़ अधिक होने के बावजूद हर व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं।

सफाई कर्मियों के साथ बैठकर भोजन किया: पदयात्रा में समरसता का संदेश भी प्रमुखता से दिया जा रहा है। महाराज ने सफाई कर्मियों के साथ सड़क पर बैठकर भोजन किया और व्यवस्था में जुटे शिष्य मंडल के साथ चाय भी ग्रहण की। यात्रा में जय श्रीराम के नारे युवा व बुजुर्गों में जोश भर रहे हैं, पदयात्रियों का कहना है कि राम नाम ही उनकी शक्ति और ऊर्जा का स्रोत है। इस यात्रा में विभिन्न राज्यों से लोग जुड़ रहे हैं। बिहार की 90 वर्षीय इंदु देवी और नेपाल की 70 वर्षीय ईसुरी देवी ने भी महाराज से मिलकर अपनी भावनाएं साझा कीं और हिंदू राष्ट्र की कामना व्यक्त की।

शास्त्री की सुरक्षा बढ़ाई: दिल्ली हादसे के बाद प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ा दी है और अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। यात्रा विराम के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में महामंडलेश्वर ऋषिकुमार दास महाराज, सांसद मनोज तिवारी, गिरिराज सिंह, निरहुआ सहित अनेक संत व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चौथी मंजिल से गिरी छात्रा, मां बोली- हत्या हुई, हॉस्टल वार्डन और उसकी बेटी पर लगाए आरोप; वार्डन बोली- छात्रा पर भूत-प्रेत का साया था

खंडवा, एजेंसी। उसका एग्जाम था, एक दिन पहले ही उसे हॉस्टल छोड़कर आए थे। अगले दिन खबर मिली कि वो हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गई है। बेटी को होश आया तो उसने इलाज के दौरान बताया कि उसे धक्का देकर गिराया है। हॉस्टल वार्डन की बेटी प्राची टॉर्चर करती थी। ये आरोप है, उस मां का जिन्होंने अपनी 15 साल की बेटी को खो दिया। मामला रजूर गांव के माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर का है। जहां 1 नवंबर के दिन 9वीं में पढ़ने वाली छात्रा पूजा किराड़े खंडवा के आदिवासी हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गई थी।

बेटी के शरीर पर चोट के निशान मिले: खंडवा जिला अस्पताल, फिर इंदौर के इंडेक्स अस्पताल में 8 दिन इलाज चला। 9 नवंबर को छात्रा ने दम तोड़ दिया। इधर, परिजन ने कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक व सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण के नाम ज्ञापन देकर दोषियों के

खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। पिता सुंदर सिंह ने कहा कि बेटी शरीर पर भी चोट के निशान मिले हैं। मामले में उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। वहीं, हॉस्टल वार्डन का कहना है कि छात्रा पर भूत-प्रेत का साया था। बता दें कि ये घटना प्रदेश सरकार में जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के गृहक्षेत्र और केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री दुर्गादास उईके के संसदीय क्षेत्र की हैं।

बहन बोलीं- मरने से पहले धक्का देने की बात कही थी: पूजा की बड़ी बहन अर्चना ने बताया, इंदौर के इंडेक्स अस्पताल में इलाज के दौरान मैं पूजा के साथ थी। पूजा हमसे बात कर रही थी, वहां पर हॉस्टल वार्डन कोकिला बौरासी भी थी। लेकिन पूजा उसकी तरफ देखना भी पसंद नहीं कर रही थी। वो बोल रही थी कि मुझे हॉस्टल वाली मैडम से बात नहीं करना है। जब पूजा होश में थी, तब उसने मुझसे कहा कि मैं खुद नहीं गिरी, मुझे किसी ने धक्का देकर गिराया है। फिर उसे नींद लग गई। वार्डन की बेटी प्राची भी 9 नवंबर को अस्पताल पहुंची थी। वो पूजा से अकेले में बात करने का बोल रही थी, लेकिन हम लोग वहीं खड़े रहे। उसी दिन पूजा की मौत हो गई। वार्डन और उसकी बेटी पूजा को प्रताड़ित करते थे। हमें तो पूरा संदेह है कि वार्डन और उसकी बेटी ने ही पूजा के साथ कुछ गलत किया है।

परिजन बोले- वार्डन की बेटी टॉर्चर करती थी: पिता सुंदर भिलाला सहित परिजन और रिश्तेदार न्याय की मांग लेकर खंडवा कलेक्टर के पास पहुंचे। उन्होंने शिकायत कर बेटी की हत्या का आरोप लगाया है। कहा कि बेटी के साथ कुछ गलत हुआ है। वो खुद मर नहीं सकती थी। वार्डन की बेटी टॉर्चर करती थी। बेटी को धक्का देकर गिराया गया है। यह बात मरने से पहले बेटी ने खुद कही है। प्रशासन निष्पक्ष जांच करें और जो भी दोषी हो, उन पर हत्या का केस दर्ज किया जाए।

वार्डन 60त्न दिव्यांग, बेटी संभालती थी काम: कलेक्टर द्वारा गठित जांच कमेटी हॉस्टल पहुंची तो कई चौंकाने वाली बातें सामने आई है। हॉस्टल वार्डन कोकिला बौरासी 60त्न दिव्यांग है, इस बात का सर्टिफिकेट है। बावजूद उसे वार्डन का पद दिया गया। यह सरासर नियम विपरीत है, जबकि असक्षम व्यक्ति को इस तरह की जिम्मेदारी वाला दायित्व नहीं दे सकते हैं। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि वार्डन की बेटी प्राची ही पूरा कामकाज संभालती थी। उसे हॉस्टल में पीटीआई (स्पोर्ट्स टीचर) की नौकरी दे रखी थी। वह छात्राओं के साथ मारपीट कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करती थी। छात्रा पूजा और प्राची के बीच कई बार विवाद हो चुका था। छात्रा की मौत के मामले में खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने जांच दल का गठन किया है।

एटीपी फाइनल्सः रोमांचक मुकाबले में डी मिनौर को हराकर मुसेट्टी ने रखीं उम्मीदें बरकरार

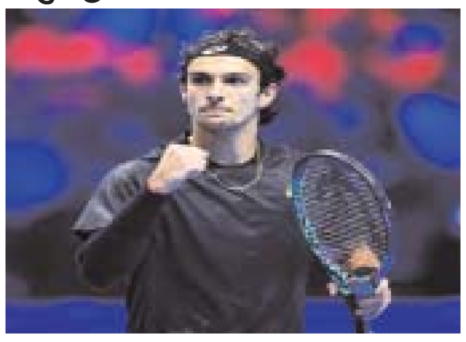

ट्यूरिन, एजेंसी। एटीपी टूर फाइनल्स में लोरेंजो मुसेट्टी ने रोमांचक मुकाबले में एलेक्स डी मिनौर को 7–5, 3–6, 7–5 से शिकस्त दी। इसी के साथ मुसेट्टी ने एटीपी टूर फाइनल्स 2025 में अपनी पहली जीत दर्ज की। यह मुकाबला 2 घंटे 47 मिनट तक चला। लोरेंजो मुसेट्टी ने पहला सेट 7–5 से अपने नाम कर लिया था, लेकिन दूसरे सेट में वह 3–6 से पिछड़ गए। इसके बाद 23 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने उस समय अपनी चमक फिर से दिखाई जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। 4–3, 30/30 के स्कोर पर 31 शॉट की शानदार रैली में हारने के बाद मुसेट्टी ने नाटकीय अंदाज में वापसी की। उन्होंने तीसरा सेट 7–5 से जीतकर अपने सीजन की सबसे बड़ी जीत में से एक हासिल की।

इसी के साथ मुसेट्टी ने जिमी कॉनर्स ग्रुप में 1–1 की बराबरी करते हुए क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को बरकरार रखा है। एटीपी टूर फाइनल्स में पहली बार प्रतिस्पर्धा करते हुए, मुसेट्टी ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के दम पर क्वालीफाई किया। वह मोंटे–कार्लो, चेंगदू और हाल ही में पिछले हफ्ते एथेंस में फाइनल में पहुंचे और इस सीजन में 45–21 का रिकॉर्ड बनाया। 2025 से पहले, इस इतालवी खिलाड़ी ने कभी भी एक साल में 40 से ज्यादा टूर–स्तरीय जीत दर्ज नहीं की थी। अब वह इस उपलब्धि को बहुत पीछे छोड़ चुके हैं। लोरेंजो मुसेट्टी गुरुवार को अपने तीसरे मैच में पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज से भिड़ेंगे। बीते हफ्ते सर्बिया के दिग्गज टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने हेलेनिक चैंपियनशिप के फाइनल में मुसेट्टी को 4–6, 6–3, 7–5 से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

रॉयल नॉर्वेजियन एंबेसी ने नॉर्वे कप विजेता मिनर्वा एकेडमी एफसी को सम्मानित किया

चंडीगढ़, एजेंसी। रॉयल नॉर्वेजियन एंबेसी ने एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें मिनर्वा एकेडमी एफसी को सम्मानित किया गया। मिनर्वा एकेडमी ने इस वर्ष जुलाई में ओस्लो में आयोजित प्रतिष्ठित नॉर्वे कप 2025 का खिताब जीता था। यह आयोजन टीम की उल्लेखनीय उपलब्धि का जश्न मनाने के साथ–साथ भारत और नॉर्वे के बीच खेलों के माध्यम से बढ़ते सांस्कृतिक और राजनयिक संबंधों को रेखांकित करता है। कार्यक्रम की शुरुआत नॉर्वे के राजदूत के संबोधन से हुई, जिन्होंने कहा कि खेल दो देशों के बीच एक सेतु का काम कर सकते हैं और मजबूत संबंधों को बढ़ावा देते हैं।इसके बाद एक पैनल चर्चा हुई, जिसका संचालन रीना सुन्दर, डेट मॉडर्ने इंडिया की सह–संस्थापक और कार्यक्रम की सह–आयोजक, ने किया। इस चर्चा में रंजीत बजाज (संस्थापक, मिनर्वा एकेडमी एफसी), सुरिंदर सिंह (तकनीकी निदेशक) और टीम के तीन प्रमुख खिलाड़ी — चेतन तिवारी, कोंथौजम डेनोंमोनी और थोकचोम चिंगखैगनबा सिंह शामिल थे, जिन्होंने टूर्नामेंट के अपने अनुभव साझा किए। ऐतिहासिक जीत पर विचार व्यक्त करते हुए रंजीत बजाज ने कहा कि एक भारतीय ग्रासरूट क्लब को विश्व के सबसे बड़े युवा फुटबॉल टूर्नामेंटों में से एक में विजयी देखना अत्यंत गर्व और भावनाओं का क्षण था। वहीं, सुरिंदर सिंह ने टीम की तैयारी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि खिलाड़ियों ने किस तरह यूरोपीय परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला और अनुशासन तथा सामरिक रणनीति से चुनौतियों को पार किया। युवा खिलाड़ियों ने भी अपने सफर की भावनात्मक यादें साझा कीं। डेनामोनी ने कहा कि उनका सपना है कि एक दिन वे भारत का प्रतिनिधित्व विश्व कप में करें। चिंगखैगनबा ने बताया कि जीत के बाद जब उन्होंने अपनी मां को फोन किया।

भारत में टीम इंडिया को हराना कभी आसान नहीं होता : सौरव गांगुली

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें 14-26 नवंबर के बीच दो टेस्ट मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना ??है कि यह सीरीज मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन साउथ अफ्रीका के लिए कड़ी चुनौती पेश करेगी। भारत में टीम इंडिया को हराना आसान नहीं है। सौरव गांगुली ने जियोस्टार पर कहा, पहला टेस्ट कुछ ही दिनों में कोलकाता में शुरू होने जा रहा है। यह साउथ अफ्रीका के लिए एक कठिन दौरा होने वाला है। भारत के खिलाफ भारत में खेलना कभी आसान नहीं होता। भारत उपमहाद्वीप में एक बहुत ही मजबूत टीम है। आजकल विदेशों में भी वह एक मजबूत टीम है। मैं ईडन गार्डन्स में होने वाले टेस्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। साउथ अफ्रीका एक अच्छी टीम है, इसलिए यह एक उच्च-स्तरीय मुकाबला होना चाहिए। भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें 14-18 नवंबर के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में पहला टेस्ट मैच खेलेंगी। इसके बाद 22 नवंबर से सीरीज का दूसरा मुकाबला गुवाहाटी में खेला जाना है।

भारतीय टेस्ट टीम की कमान शुभमन गिल के हाथों में है। इस टीम में ऋषभ पंत को बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज मौका दिया गया है। वह टीम के उप-कप्तान भी हैं। मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह तेज गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे। टीम को ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का साथ भी मिलेगा। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को लेकर कहा, यह सीरीज नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर इसलिए क्योंकि साउथ अफ्रीका गत विजेता है। हालांकि, उन्होंने पाकिस्तान के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला, लेकिन हम अपने अच्छे प्रदर्शन, सकारात्मक माहौल बनाने, इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करने और वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत हासिल करने के आधार पर आश्वस्त हैं।

भारत की टेस्ट टीम- शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, आकाश दीप।

इकलौता बल्लेबाज, जिसने भारत-साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज में छुआ 500 रन का आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट इतिहास में अब तक 44 मैच खेले गए हैं, जिसमें कई रिकॉर्ड्स टूटे और कई रिकॉर्ड्स बने। क्या आप उस इकलौते खिलाड़ी के बारे में जानते हैं, जिसने भारत-साउथ अफ्रीका के बीच एक ही टेस्ट सीरीज में 500 रन के आंकड़े को छुआ? यह एक भारतीय खिलाड़ी था। यह कारनामा रोहित शर्मा ने अक्टूबर 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली गई घरेलू टेस्ट सीरीज में किया था।

इस पूरी सीरीज में रोहित ने तीन मुकाबलों की चार पारियों में 132.25 की औसत के साथ 529 रन बनाए। इस सीरीज में दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने चार पारियां खेलीं, जिसमें 3 शतक लगाए। इस सीरीज में रोहित शर्मा के बल्ले से 62 चौके और 19 छक्के निकले। सीरीज का पहला मैच विशाखापत्तनम में खेला गया था। पहली पारी में रोहित शर्मा ने 244 गेंदों का सामना करते हुए 6 छक्कों और 23 चौकों के साथ 176 रन बनाए। दूसरी पारी में उन्होंने 149 गेंदों में 127 रन बनाए। इस पारी में उनके बल्ले से 7 छक्के और 10 चौके निकले। भारत ने मैच 203 रन से अपने नाम किया। अगला मुकाबला पुणे में खेला गया, जिसमें भारत ने सिर्फ एक ही पारी खेली। रोहित ने इस दौरान 35 गेंदों में 1 चौके के साथ 14 रन बनाए। कप्तान विराट कोहली (254) और मयंक अग्रवाल (108) की शानदार पारियों के दम पर टीम इंडिया ने मुकाबला पारी और 137 रन से जीता था। सीरीज का तीसरा मुकाबला रांची में खेला गया। इस मुकाबले में रोहित शर्मा ने पहली पारी में बतौर सलामी बल्लेबाज 212 रन बनाए। उन्होंने 255 गेंदों की पारी में 6 छक्के और 28 चौके लगाए। भारत ने यह इनिंग 497/9 के स्कोर पर घोषित की। मुकाबले को पारी और 202 रन से अपने नाम करते हुए टीम इंडिया ने सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

मेरे और ऋषभ भाई के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं, भारत को जीत दिलाना मकसद : ध्रुव जुरेल

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत के युवा विकेटकीपर–बल्लेबाज ध्रुव जुरेल का मानना है कि उनके और ऋषभ पंत के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। दोनों ही भारत के लिए खेल रहे हैं, जिनका एक ही मकसद है– देश को जीत दिलाना। ऋषभ पंत को इंग्लैंड दौरे पर दाहिने पैर में फैक्चर हुआ था। इसके बाद जुरेल ने पंत के स्थान पर विकेटकीपिंग का जिम्मा संभाला। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी जुरेल को मौका मिला, जहां उन्होंने शतकीय पारी खेली थी। अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में जुरेल के साथ पंत को भी शामिल किया गया है, लेकिन संभावना है कि पंत इस सीरीज में बतौर विकेटकीपर प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। ध्रुव जुरेल ने जियोस्टार पर कहा, मेरे और ऋषभ भाई के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। हम दोनों भारत के लिए खेल रहे हैं। कोई भी खेले, मकसद एक ही है– भारत को जीत दिलाना। अगर वह खेलते हैं, तो मुझे खुशी है। अगर मैं खेलता हूं, तो मुझे खुशी है। अगर हम साथ खेलते हैं, तो और भी अच्छा होगा।

इस्लामाबाद में आत्मघाती बम विस्फोट, बढ़ाई गई श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की

रावलपिंडी । पाकिस्तान में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के बाद इस देश के दौरे पर आई श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने श्रीलंकाई टीम के अधिकारियों से मुलाकात की और उन्हें पूर्ण सुरक्षा का आश्वासन दिया। नकवी पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं।

पाकिस्तान ने अप्रत्यक्ष रूप से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर एक बार फिर आरोप लगाया है कि उसने अपनी जमीन का इस्तेमाल तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) को पाकिस्तान में आतंकवादी हमले करने के लिए करने दिया। मंगलवार को इस्लामाबाद में एक न्यायिक परिसर के बाहर एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया, जिसमें 12 लोग मारे गए और कई घायल हो गए।

इस बीच उत्तरी पाकिस्तान के वाना क्षेत्र में वाना कैडेट कॉलेज पर आतंकवादी हमले को सुरक्षा बलों ने विफल कर दिया और लगभग 300 छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अता तरार ने कहा कि यदि सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई नहीं की होती तो पाकिस्तान 2018 में पेशावर स्कूल हमले जैसी बड़ी घटना का गवाह बन सकता था। तीन वर्ष पहले न्यूजीलैंड की टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला रद्द कर रही थी।

न्यूजीलैंड की टीम तब संभावित आतंकवादी हमले की विश्वसनीय खुफिया सूचना मिलने के बाद बिना कोई मैच खेले ही स्वदेश लौट गई थी। सूत्र ने कहा, 'यही कारण है कि मोहसिन नकवी व्यक्तिगत रूप से स्टेडियम गए और मेहमान टीम के सदस्यों से मिले तथा उन्हें सुरक्षा को लेकर आश्वस्त किया।

मार्च 2009 में TTP आतंकवादियों ने गद्दाफी स्टेडियम के पास श्रीलंकाई टीम की बस पर हमला किया था, जिसके कारण लगभग 10 वर्षों तक पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच आयोजित नहीं किए गए क्योंकि विदेशी टीमों ने सुरक्षा चिंताओं के कारण देश का दौरा करने से इनकार कर दिया था। सूत्र ने कहा, 'श्रीलंका की टीम की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पाकिस्तानी सेना तथा अर्धसैनिक रेंजर्स को मेहमान खिलाड़ियों और अधिकारियों की सुरक्षा पर नजर रखने के लिए तैनात किया गया है। रावलपिंडी में तीन एकदिवसीय मैच खेलने के बाद श्रीलंका 17 से 29 नवंबर तक टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला में भाग लेगा जिसमें तीसरी टीम जिंबॉब्वे की होगी।

बीसीसीआई ने रोहित-कोहली को घरेलू मैचों में खेलने का दिया निर्देश: रिपोर्ट्स

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली और रोहित शर्मा घरेलू मुकाबलों में खेलते नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इन दिग्गज खिलाड़ियों को अपनी-अपनी राज्य टीमों के घरेलू मैचों में खेलने का निर्देश दिया गया है, ताकि वह वनडे टीम की दौड़ में बने रहें। रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को विजय हजारे ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता के बारे में सूचित कर दिया है, लेकिन कोहली की ओर से इस बारे में कोई अपडेट नहीं आया है। बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, बोर्ड और टीम मैनेजमेंट ने दोनों खिलाड़ियों को बता दिया है कि अगर उन्हें भारत के लिए खेलना है, तो घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। चूंकि वे दोनों खिलाड़ी दो फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए मैच के लिए फिट होने के लिए उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना होगा।

विराट कोहली-रोहित शर्मा टी20 और टेस्ट फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। फिलहाल बीसीसीआई का फोकस टी20 विश्व कप 2026 पर है। ऐसे में कोहली और रोहित को वनडे विश्व कप 2027 के लिए टीम में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए खेलने का समय चाहिए होगा।

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज में अपनी छाप छोड़ी थी। ये दोनों खिलाड़ी संभवतः साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज में हिस्सा लेंगे, जिसकी शुरुआत 30 नवंबर से होगी। इसके बाद रो-को संभवतः जनवरी 2026 में ही भारतीय टीम में फिर से नजर आएंगे। टीम इंडिया 11 तारीख से न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे मैचों की मेजबानी करेगी।

इस बीच कोहली और रोहित को करीब एक महीने का ब्रेक मिलेगा, जिस दौरान विजय हजारे ट्रॉफी खेली जानी है। पिछले सीजन में रोहित और कोहली ने एक-एक रणजी ट्रॉफी मैच खेला था। जनवरी में, विराट कोहली 12 साल के अंतराल के बाद दिल्ली के लिए खेलने लौटे थे, जबकि रोहित शर्मा 10 साल के बाद मुंबई के लिए खेले।

गोल्फः सदियों का सफर किया तय

ओलंपिक में वापसी के लिए करना पड़ा 112 वर्षों का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्फ उन खेलों में से एक है, जिसे अमीरों का शौक माना जाता है। भले ही इसे साल 1900 में पहली बार ओलंपिक में शामिल किया गया लेकिन इसका इतिहास काफी पुराना रहा है। माना जाता है कि आधुनिक गोल्फ की शुरुआत 15वीं शताब्दी में नीदरलैंड में हुई थी। उस दौर में इसे कोल्फ और कोलवेन के नाम से जाना जाता था, लेकिन 1457 में स्कॉटलैंड के राजा जेम्स द्वितीय ने इस खेल पर बैन लगा दिया, क्योंकि इससे सैन्य प्रशिक्षण में रुकावट आ रही थी। 1502 में इस बैन को हटा लिया गया।धीरे-धीरे ये खेल मशहूर होने लगा। साल 1754 में होम ऑफ गोल्फ कहलाने वाले सेंट एंड्रयू शहर में गोल्फ के नियम भी बनाए गए। पहला गोल्फ संगठन भी यहीं बना।

1860 में प्रेस्टविक गोल्फ क्लब में पहली बार ओपन चैंपियनशिप का आयोजन किया गया और 19वीं सदी के अंत तक यह खेल ब्रिटेन और अमेरिका सहित दुनियाभर में फैल गया।

1900 के पेरिस ओलंपिक में पहली बार गोल्फ खेला गया। अमेरिका के चार्ल्स एडवर्ड सैंड्स ने पुरुषों के इवेंट को जीता, जबकि महिलाओं के इवेंट को मार्गरेट इवेस एबॉट ने अपने नाम किया।

चार साल बाद महिलाओं की प्रतियोगिता को टीम इवेंट के रूप में बदला गया, लेकिन साल 1904 के बाद इस खेल को संगठनात्मक समस्याओं और अंतरराष्ट्रीय रुचि की कमी के कारण ओलंपिक से हटा दिया गया।

इसके बाद गोल्फ को ओलंपिक में लौटने के लिए 112 वर्षों का लंबा इंतजार करना पड़ा। अक्टूबर 2009 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सदस्यों ने 2016 रियो ओलंपिक में गोल्फ को शामिल करने के पक्ष में मतदान किया।

आखिरकार, साल 2016 में इसकी ओलंपिक में वापसी हुई और तब से यह खेल ओलंपिक का हिस्सा बना हुआ है।

गोल्फ कोर्स पर खेले जाने वाले इस खेल में क्लब और बॉल का इस्तेमाल किया जाता है। एक राउंड में आमतौर पर 18 होल होते हैं। पेशेवर प्रतियोगिताओं में 4 राउंड का खेल होता है।

खिलाड़ी को अपने स्ट्रोक को होल में पहुंचाना होता है। इस दौरान उन्हें सैंड ट्रैप्स, पेड़, पानी, रफ सर्फेस और बंकर जैसी बाधाओं का सामना करना होता है। अगर गेंद पानी में चली जाए, तो खिलाड़ियों को पेनाल्टी शॉट खेलना पड़ता है। ऐसे में गोल्फर को पानी के अंदर जाकर फिर से शॉट खेलना होता है।

खिलाड़ी टी-शॉट के साथ खेल की शुरुआत करता है और छोटे-छोटे होल में गेंद को पहुंचाता है। प्रत्येक होल के अलग-अलग अंक होते हैं।

स्ट्रोक प्ले गोल्फ में गोल्फर के हर राउंड के 18 होल के अंकों को जोड़ा जाता है। टूर्नामेंट के अंतर में चार राउंड यानी 72 होल के अंकों को जोड़कर चैंपियन की घोषणा की जाती है। बीते कुछ वर्षों में भारत में गोल्फ की लोकप्रियता में इजाफा देखने को मिला है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स ने इस लग्जरी खेल में साधारण परिवारों से आने वाले खिलाड़ियों के लिए भी रास्ते खोले हैं।

जीव मिल्खा सिंह, अनिर्बान लाहिड़ी, अदिति अशोक और दीक्षा डागर ने गोल्फ में भारत का परचम लहराया है। भले ही 2020 टोक्यो ओलंपिक में अदिति चौथे स्थान पर रहते हुए भारत को इस खेल में पहला ओलंपिक पदक दिलाने से चूकीं, लेकिन उम्मीद है कि देश इस खेल में जल्द ही पहला ओलंपिक पदक अपने नाम करेगा।

ओलंपिक के सबसे पुराने खेलों में शामिल है साइकिलिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। साइकिल मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के लिए आवागमन का एक बेहतरीन और सुविधाजनक साधन है। ग्रामीण क्षेत्रों में साइकिल आज भी सबसे ज्यादा उपयोग में लाया जाने वाला परिवहन का साधन है। नियमित साइकिल से व्यक्ति का स्वास्थ्य भी उत्तम रहता है। भारत सरकार भी देश में स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाने के लिए चलाए जा रहे फिट इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से साइकिलिंग को बढ़ावा दे रही है। लेकिन, क्या आपको पता है कि साइकिलिंग एक खेल भी है और विश्व के सबसे पुराने और बड़े खेल मंच में इसकी प्रतिस्पर्धा होती है। जानकारी के मुताबिक साइकिल का उदय या चलाने की शुरुआत 1816 में मध्य जर्मनी में हुई थी। पहली आधिकारिक साइकिल रेस 1868 में फ्रांस में हुई थी। पहले ओलंपिक का आयोजन 1896 में एथेंस में हुआ था।

आपको जानकर हैरानी होगी कि 1896 से ही साइकिलिंग ओलंपिक का हिस्सा रहा है। महिलाओं को ओलंपिक में साइकिलिंग प्रतिस्पर्धा में उम्मीदवारी देर से मिली। महिलाओं को पहली बार 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में जोड़ा गया था। दोनों वर्ग के लिए व्यक्तिगत टाइम ट्रायल 1996 के अटलांटा ओलंपिक में पेश किया गया था। ओलंपिक में मुख्य रूप से पांच तरह की साइकिलिंग होती है

रोड साइकिलिंग: इसमें लंबी दूरी की दौड़ होती है। यह रोड रेस और इंडिविजुअल टाइम ट्रायल जैसी स्पर्धाओं में विभाजित है।

ट्रैक साइकिलिंग: यह ट्रैक पर आयोजित की जाती है, जिसमें स्प्रिंट, टीम परस्यूट, और ओम्नियम जैसी कई तरह की स्पर्धाएं शामिल हैं।

माउंटेन साइकिलिंग: इस स्पर्धा में एथलीट ऑफ-रोड कोर्स पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। इसे 1996 में ओलंपिक में पेश किया गया था।

बीएमएक्स रेसिंग: यह एक बाधा कोर्स पर आयोजित एक तेज गति की दौड़ है। इसे 2008 में ओलंपिक कार्यक्रम में जोड़ा गया था।

बीएमएक्स फ्रीस्टाइल: यह एक नई स्पर्धा है जिसमें एथलीट करतब दिखाते हैं और इसे 2020 में ओलंपिक में शामिल किया गया था। ग्रेट ब्रिटेन के जेसन केनी के नाम ओलंपिक खेलों में साइकिलिंग में सर्वाधिक स्वर्ण पदक (7) और सर्वाधिक कुल पदक (9) जीतने का रिकॉर्ड है। वहीं फ्रांस ने साइकिलिंग में 41 स्वर्ण पदक जीते हैं, जो ओलंपिक खेलों में किसी भी देश से सर्वाधिक है। फ्रांस ने कुल 93 पदक जीते हैं। ग्रेट ब्रिटेन ने कुल 100 ओलंपिक साइकिलिंग पदक जीते हैं, जिनमें 38 स्वर्ण, 35 रजत और 27 कांस्य पदक हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने 60 पदक जीते हैं, जिनमें 17 स्वर्ण, 22 रजत और 21 कांस्य पदक हैं।

जनजातीय गौरव दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रदर्शनी का भी करें आयोजन

सीएम हेल्पलाइन में संतुष्टि का प्रतिशत कम से कम 45 से 50 प्रतिशत रखे

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में निराकरण के संतुष्टि का प्रतिशत कम से कम 45 से 50 प्रतिशत तक लायें। इसी प्रकार 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विभागीय प्रदर्शनी का भी आयोजन करें। बुधवार को समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने यह निर्देश दिये। इस मौके पर अपर कलेक्टर संजना जैन, एसडीएम दिव्या पटेल, एसपी मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल, सीएमएचओ डॉ. एलके तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, जिला संयोजक डॉ. अरूण शुक्ला, ईईआरईएस लाजरूस केरकेट्टा, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र बांगरे, उप संचालक सामाजिक न्याय राजीव सिंह, सीएमओ सुषमा मिश्रा, सीईओ जनपद वेदमणि मिश्रा, एमएल प्रजापति, अशोक तिवारी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि अभी जो विभाग बी, सी और डी श्रेणी में है। वे प्रयास कर अगले दो-तीन दिनों में ए श्रेणी में आने का प्रयास करें, दो दिन बाद पुन: सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की जायेगी। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग प्रमुख अधिकारी सुनिश्चित करें कि उसके अधीनस्थ मैदानी स्तर की संस्थाओं और कार्यालयों में जिला मैहर अंकित कर दिया गया है। आंगनवाडी केन्द्र, राशन दुकानें, स्कूल, छात्रावास, सोसायटी इत्यादि शासकीय परिसम्पत्तियों में जिले का नाम सुधारें और इस आशय का प्रमाण पत्र भी देवें। संभागीय स्वरोजगार मेला की तैयारी और स्वरोजगार की योजनाओं में लक्ष्य पूर्ति की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि संबंधित विभाग और बैंकर्स सुनिश्चित करें कि निर्धारित लक्ष्य के अनुसार प्रकरणों में 15 नवम्बर तक शत-प्रतिशत स्वीकृति की कार्यवाही पूर्ण हो जाये। इस कार्य में एलडीएम मैहर रविरंजन को समन्वय करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिये।

धरती आबा अभियान के चयनित गांवों में योजनाओं के सैचुरेशन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि इन गांवों में भी 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस से संबंधित कार्यक्रम हो तथा शैक्षणिक संस्थाओं में जनजातीय वीर नायकों तथा महापुरूषों की गौरव गाथा से संबंधित निबंध, भाषण, चित्रकला, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किये जाये। मैहर जिला मुख्यालय के जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में जनजातीय लोक संस्कृति के सांस्कृतिक कार्यक्रम और स्व सहायता समूहों एवं वन उत्पादों से संबंधित प्रदर्शनी भी लगाने के निर्देश दिये गये। ई-आफिस की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि अभी मात्र दो या तीन विभाग ही इसका उपयोग कर रहे है। ई-आफिस से आने वाली फाइलों में संबंधित विभाग शासन के निर्देश भी साथ में अपलोड करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने ई-आफिस का उपयोग नहीं करने वाले विभागों के अधिकारियों को नोटिस भी जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि विभागों के अधिकारी स्वयं सीएम हेल्पलाइन के जवाबों का परीक्षण करें और उनमें सुधार लाये। धरती आबा अभियान के चयनित गांवों में चल रहे अधोसंरचनात्मक कार्यो को जनपद सीईओ शीघ्र पूर्ण करायें और आवश्यक कार्य जो इन गांवों में कराये जा सकते हैं उनके प्रस्ताव भी भेजे। पीएम जनमन योजना के ग्राम बेहार में सामुदायिक भवन का निर्माण शीघ्र पूर्ण कर उसका लोकार्पण कराने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिये।

बिड़ला सीमेंट फैक्ट्री की मनमानी से बढ़ा प्रदूषण, बोर्ड के आदेश को किया नजरअंदाज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना से सेमरिया मार्ग पर स्थित बिड़ला कार्पोरेशन सीमेंट फैक्ट्री के ट्रक यार्ड से उठते धूल के गुबार ने क्षेत्रवासियों का जीना मुहाल कर दिया है। फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशों की अनदेखी करते हुए ट्रक यार्ड में पक्की बाउंड्री दीवार और पानी के छिड़काव की व्यवस्था नहीं की गई है। इसके चलते हर गुजरते ट्रक के साथ हवा में उड़ती धूल से आसपास के रहवासी और वाहन चालक परेशान हैं।

सूत्रों के अनुसार, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने हाल ही में फैक्ट्री प्रबंधन को नोटिस जारी कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए थे, लेकिन प्रबंधन ने पत्र को रद्दी की टोकरी में डाल दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि धूल के कारण सांस लेना मुश्किल हो गया है और बच्चों व बुजुर्गों में सांस की बीमारियाँ बढ़ रही हैं।

आक्रोशित नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यालय के सामने अनशन करेंगे। लोगों का कहना है कि उद्योग की मनमानी और प्रशासन की निष्क्रियता ने आमजन को संकट में डाल दिया है। अब देखना होगा कि अधिकारी जनता की सुनते हैं या उद्योग के आगे फिर झुकते हैं।

जिले में बाइक सवार युवकों पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला, इलाज के दौरान 1 की मौत; 65 हजार रुपए लूटने का भी आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के रामपुर बाघेलान थाना क्षेत्र में बाइक सवार दो युवकों पर अज्ञात हमलावरों ने लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा साथी मामूली रूप से घायल हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, बृजेश सिंह नामक युवक अपने साथी कृष्णकुमार के साथ बाइक से कहीं जा रहा था, तभी रास्ते में कुछ लोगों ने उन पर अचानक हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल बृजेश सिंह को उपचार के लिए पहले सतना जिला अस्पताल और फिर रीवा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और जांच शुरू कर दी है। घायल कृष्णकुमार ने बताया कि हमलावरों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला किया और 65,000 रुपए नकद लूटकर फरार हो गए। परिजनों ने हत्या और लूट की घटना पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में रामपुर बाघेलान थाना पुलिस टीम जुट गई है।

जनपद पंचायत नागौद में प्रत्येक शुक्रवार होगी जनसुनवाई, अध्यक्ष ने जारी किए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जनपद पंचायत नागौद क्षेत्र के आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान हेतु जनपद पंचायत अध्यक्ष ने महत्वपूर्ण पहल की है। अब प्रत्येक शुक्रवार को जनपद पंचायत कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की जाएगी, जिसमें ग्रामीण अपने क्षेत्र की समस्याएं सीधे अध्यक्ष के समक्ष रख सकेंगे।

इस संबंध में सीईओ जनपद पंचायत नागौद द्वारा एक आधिकारिक पत्र जारी किया गया है, जिसे सभी ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव और रोजगार सहायकों को संबोधित किया गया है। पत्र में निर्देश दिए गए हैं कि वे जनसुनवाई की जानकारी सर्वसाधारण तक पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग अपनी समस्याओं के समाधान हेतु भाग ले सकें। अध्यक्ष ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य ग्रामीणों की शिकायतें सुनना, योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही दिक्कतों का समाधान करना तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

उन्होंने यह भी बताया कि जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाएगा और संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे। इस पहल से ग्रामीणों में उत्साह देखा जा रहा है और उम्मीद जताई जा रही है कि अब उनकी समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही शीघ्रता से किया जाएगा।

रक्तदान- मानवता की सच्ची सेवा, मनमोहन माहेश्वरी ने किया 59वीं बार रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सेवा जब कर्तव्य से ऊपर उठकर जीवन का धर्म बन जाती है, तब इंसान सिर्फ इंसान नहीं रहता बल्कि समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बन जाता है। ऐसे ही हैं वरिष्ठ समाजसेवी मनमोहन माहेश्वरी , जिन्होंने निरंतर रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की है। माहेश्वरी जी अब तक 58 बार रक्तदान कर चुके हैं, और 11 नवंबर (मंगलवार) को उन्होंने अपना 59वां रक्तदान किया। यह रक्तदान जिला अस्पताल, सतना में अमरपाटन निवासी रजनीश उपाध्याय के लिए किया गया।

सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष एवं रक्तवीरों के प्रेरक विनोद गेलानी ने बताया कि माहेश्वरी का यह निरंतर सेवा भाव समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इस अवसर पर विभाष बनर्जी, विनोद गेलानी, आकाश बनर्जी, क्रांति सिंह चौहान, सोनू सीरवानी, मनीष सदानी, तथा ब्लड बैंक की सविता सिंह, प्रगति जयसवाल, राममिलन बागवान, शेषमणि सिंह सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

संस्था के संरक्षक मंडल: गोपी गेलानी, श्रीचंद मनवाणी, मनोहर डिगवानी, ज्ञान खटवानी, इंद्रलाल आडवाणी, श्रीचंद शीतलानी, घनश्याम मंघरानी, संजय वाधवानी, महेश रावलानी, गंगाराम सचदेव, दिलीप सोनी, अमित कामरानी, जी.डी. जसवानी, रंजीत सेनानी, जितेंद्र गावरी, गोपीचंद कापड़ी, विजय जग्यासी, अशोक चाँदवानी, बसंत खत्री, दीपक वाधवानी, केशव मखीजा, राजकुमार साधवानी, मनीष टेकवानी, विष्णु जानवानी, मनीष सदानी, बंटी भोजवानी, तथा सहयोगी बसंत शर्मा, बाबन सुखेजा, निक्की मनचंदानी, विशाल राजपाल, संजय आहूजा ने माहेश्वरी को बधाई दी।

महिला मंडल से मोना चोपड़ा, राखी होतचंदानी, डॉ. मनीषा सोई, आर्य खिलवानी, मुस्कान चंदानी, सिमरन होतचंदानी, निशा गोयल, आभा सिंह, जया जायसवाल, रशिम जैन, कशिश नागदेव ने भी माहेश्वरी जी को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शराब के नशे में धुत्त वाहन चालक ने की मारपीट, मामला पहुचा थानें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कोठी थाना अंतर्गत ग्राम रायपुर में शराब के नशे में गाड़ी चलाने को लेकर विवाद के बाद मारपीट की घटना सामने आई है। रायपुर निवासी अंकुल सिंह पिता अतर सिंह ने बताया कि गांव में कुछ युवक शराब के नशे में लापरवाहीपूर्वक वाहन चला रहे थे। जब उन्होंने उन्हें ऐसा करने से रोका, तो बात विवाद में बदल गई।

अंकुल सिंह के अनुसार, गांव के ही दीपक सिंह, विजय सिंह उर्फ नित्तू, दीपेंद्र सिंह उर्फ नन्ना तथा अन्य लोगों ने मिलकर उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि आरोपियों ने हावड़ा और डंडों से हमला कर दिया, जिससे अंकुल सिंह के सिर में गंभीर चोटें आईं और वह मौके पर ही गिर पड़े। इस दौरान आरोपियों ने गाली-गलौज भी की।

घायल अंकुल सिंह को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। पीड़ित ने घटना की शिकायत कोठी थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों के अनुसार, शराब के नशे में झगड़ों की घटनाएं क्षेत्र में लगातार बढ़ रही हैं, जिससे गांव में दहशत का माहौल है।

एनडीआरएफकी टीम ने किया भूकम्प पर सघन मॉकड्रिल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। 11वीं एनडीआरएफ वाराणसी के बचाव कर्मियों ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर सतना में भूकम्प की परिकल्पना पर आधारित एक सघन मॉकड्रिल किया। जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित अभ्यास में पुलिस, एसडीईआरएफ अग्निशमन, स्वास्थ्य विभाग सहित सभी प्रमुख हितधारक एजेंसियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता निभाई। इस मौके पर अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम सिटी राहुल सिलाडिया, होमगार्ड कमाण्डेंट सुनीत कुमार मिश्र, उप महानिरीक्षक एनडीआरएफमनोज कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी तथा बडी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मॉकड्रिल के दौरान उप कमांडेंट कुलदीप सिंह ने कहा कि इस प्रकार के अभ्यासों का मुख्य उद्देश्य आपदा से निपटने की तैयारियों का मूल्यांकन, प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना, उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करना तथा सभी हितधारक एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

जय ज्योति पब्लिक स्कूल का शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कोठी स्थित जय ज्योति पब्लिक स्कूल द्वारा छात्रों के सर्वांगीण विकास और व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि के उद्देश्य से एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 1 से 4 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय के शिक्षक एवं प्रबंधन की देखरेख में छात्र मुकुन्दपुर स्थित महाराजा मार्तंड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी एंड जू पहुंचे।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षियों एवं पेड़-पौधों को निकट से देखा और उनके बारे में रोचक जानकारियाँ प्राप्त कीं। शिक्षकों ने बच्चों को वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता के महत्व पर भी चर्चा की। बच्चों ने सफेद बाघ, हिरण, भालू, तोता, मोर जैसे अनेक जीवों को देखकर अत्यंत हर्ष और उत्साह अनुभव किया।

विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि ऐसे शैक्षिक भ्रमण बच्चों में जिज्ञासा, ज्ञानवृद्धि और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अत्यंत सहायक होते हैं। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के चेहरों पर मुस्कान और नई सीख के साथ हुआ।

सिद्धा पहाड़ के नीचे ट्रैक्टर हादसे में दो आदिवासियों की मौत, शिक्षक पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बिरसिंहपुर क्षेत्र के सिद्धा पहाड़ के नीचे हुए ट्रैक्टर हादसे में दो आदिवासियों की मौत के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मृतकों के परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि इस घटना के पीछे स्थानीय शिक्षक अशोक शुक्ला का हाथ है, जिसे वे इस पूरे मामले का मास्टर माइंड बता रहे हैं।

परिजनों का कहना है कि घटना के बाद अशोक शुक्ला ने मौके से जेसीबी लगवाकर ट्रैक्टर को उठवा लिया, जिससे साक्ष्य मिटाने की कोशिश की गई। वहीं, घटना को हुए तीन दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ट्रैक्टर को जब्त नहीं कर पाई है, जिससे सवाल उठ रहे हैं कि आखिर जांच में देरी क्यों हो रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षक लगातार घटना स्थल और ट्रैक्टर की स्थिति बदलने की कोशिश कर रहा है, ताकि सच्चाई सामने न आ सके। गरीब आदिवासी परिवार अब न्याय की उम्मीद में भटक रहे हैं और प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

इस बीच, चित्रकूट एसडीओपी ने पूरे मामले की जांच के बाद उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। स्थानीय लोग उम्मीद कर रहे हैं कि दोषियों पर सख्त कदम उठाए जाएंगे और पीड़ित परिवारों को न्याय मिलेगा।

सिंचाई के लिए स्प्रिंकलर को देवे बढावा, मैहर से लगे गांवों में पुष्प खेती को प्रोत्साहित करें : कलेक्टर

कृशि, उद्यानिकी, सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने कृषि और उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से कहा है कि योजनाओं के माध्यम से किसानों को प्रदाय किये गये स्प्रिंकलर सेटों के सदुपयोग के लिए प्रोत्साहित करते हुए क्षेत्र में स्प्रिंकलर से सिंचाई कार्य को बढावा दें। उद्यानिकी विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि मैहर जिला मुख्यालय से लगे ग्राम अरकंडी, उदयपुर, कल्याणपुर, जीतनगर जैसे गांव के किसानों को पुष्प खेती के लिए प्रोत्साहित करे और उन किसानों को मैहर मंदिर समिति से संबद्ध करें। बुधवार को कलेक्टर ने कृषि, उद्यानिकी, सहकारिता, केन्द्रीय सहकारी बैंक तथा संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिये।

कृषि विभाग की समीक्षा में बताया गया कि रबी फसलों में गत वर्ष क्षेत्राच्छादन में एक लाख 7 हजार हेक्टेयर क्षेत्र की पूर्ति की गई थी। चालू रबी सीजन में एक लाख 9 हजार 800 हेक्टेयर क्षेत्राच्छादन का लक्ष्य रखा गया है। उर्वरकों की मांग और पूर्ति की समीक्षा में बताया गया कि जिले में यूरिया की मांग 29695 मे. टन के विरूद्ध 5912 मे. टन भण्डारण किया गया। जिसमें 4724 मे. टन का वितरण हुआ है। शेष 1188 मे. टन की मात्रा उपलब्ध है। एनपीके काम्पलेक्स 2743 मे. टन, डीएपी 2437 मे. टन, टीएसपी 481 मे. टन, एसएसपी 484 मेट्रिक टन मिलाकर 10 हजार 874 मे. टन उर्वरक वितरण किया गया है। जिले में 4667 मे. टन उर्वरक अभी उपलब्ध है। कलेक्टर ने कहा कि उपलब्ध उर्वरक की मात्रा का प्रचार-प्रसार किसानों के बीच करें ताकि वे अपनी आवश्यकतानुसार रबी सीजन के लिए अग्रिम खाद का उठाव कर सकें। कलेक्टर ने सहकारी समितियों के सदस्य डिफाल्टर किसानों की जानकारी लेते कहा कि ऐसे किसानों से बकाया ऋण जमा कराकर इन्हें समिति का नियमित सदस्य बनायें और खाद-बीज के लिए ऋण या उर्वरक समितियों के माध्यम से उपलब्ध कराये। स्वाइल हैल्थ एण्ड फर्टिलिटी योजना में 10921 स्वाइल हैल्थ कार्ड के नमूने लेने के लक्ष्य के विरूद्ध मात्र 5985 नमूने लिये जाने पर कलेक्टर ने अप्रसन्नता व्यक्त की। कलेक्टर ने कृषि और उद्यानिकी विभाग से योजनाओं के तहत वितरित किये गये स्प्रिंकलर सेट के किसानों की सूची भी प्रस्तुत करने के निर्देश के साथ ही जिले में स्प्रिंकलर से सिंचाई को प्रोत्साहन देने के निर्देश दिये हैं।

पराली प्रबंधन की जानकारी में कलेक्टर ने कहा कि सतना और मैहर जिले में सेटेलाइट से संभाग में सबसे अधिक घटनायें पराली जलाने की मैंपिंग में आ रही है। जिले में पराली जलाने पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये हैं। पराली जलाने की घटनाओं को नियंत्रित कराये। उद्यानिकी विभाग की पुष्प और औषधि पौधों की खेती योजना की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि मैहर के मां शारदा मंदिर में फूलों की आवश्यकता और स्थानीय उपलब्धता की दृष्टि से मैहर जिला मुख्यालय के पास के गांव के किसानों को पुष्प खेती की लिए प्रोत्साहित करे और उन्हें मंदिर समिति से संबद्ध करें ताकि उनके उत्पादों की खपत स्थानीय रूप से हो सके। सहकारिता और सहकारी बैंक की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि बकाया ऋण वसूली में समितियों के रेगुलर और कालातीत सदस्यों से हो रही वसूली की अलग-अलग जानकारी प्रस्तुत करें।

विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला 19 नवम्बर को चित्रकूट में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शासकीय आईटीआई एवं रोजगार कार्यालय सतना एवं जनपद पंचायत द्वारा 19 नवम्बर से 27 नवम्बर 2025 तक सतना एवं मैहर जिले में स्थित समस्त आईटीआई में जीडी एक्स सिक्योरिटी सल्यूशन्स नोएडा का एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 19 नवम्बर को दीनदयाल आईटीआई चित्रकूट, 20 नवम्बर को शासकीय आईटीआई मैहर, 21 नवम्बर को जनपद पंचायत रामपुर बघेलान, 24 नवम्बर को जनपद पंचायत रामनगर, 25 नवम्बर को जनपद पंचायत अमरपाटन, 26 नवम्बर को जनपद पंचायत नागौद तथा 27 नवम्बर को जिला रोजगार कार्यालय सतना में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।